मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 19 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 4 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 275, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक मदद की दरकार

राजकुमार हिरानी ने संवारा मेरा करियर : अरशद ◂◂ 6

टेलीग्राम पर बरकरार रहेगा अस्थायी बैन

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले को सही ठहराया

एजेंसी

नई दिल्ली: नीट री-एग्जाम से पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने टेलीग्राम ऐप प्लेटफॉर्म पर सरकार के अस्थायी बैन के फैसले को सही ठहराया है। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने अस्थायी बैन के खिलाफ दायर टेलीग्राम की याचिका को भी खारिज कर दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस तेजस कारिया की सिंगल बेंच ने शुक्रवार को टेलीग्राम की याचिका पर अपना फैसला दिया। जस्टिस तेजस करिया ने कहा, सरकार का आदेश सही है। आईटी एक्ट के सेक्शन 69ए के तहत किसी प्लेटफॉर्म पर बैन लगाया जा सकता है।

सरकार ने परीक्षा में पेपर लीक और संगठित नकल गिरोहों से जुड़े मामलों की आशंका के चलते टेलीग्राम पर 22 जून तक अस्थायी बैन लगाया है। चिंताएं थीं कि नीट-यूजी विवाद में शामिल संगठित नकल करने वाले नेटवर्क इसका इस्तेमाल कर रहे थे। बड़े पैमाने पर पेपर लीक और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद मूल नीट परीक्षा रद्द होने के बाद सरकार ने इस पर बैन का फैसला लिया। साथ ही, 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों को एडिट करने की सुविधा भी बंद करने का आदेश दिया गया।

ये पाबंदियां नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिशों के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत जारी निर्देशों के आधार पर लगाई गई थीं।

हालांकि, टेलीग्राम ने सरकार के फैसले का विरोध किया और इसे दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। टेलीग्राम की ओर से अदालत में कहा गया कि कानून इस तरह के भेद का प्रावधान नहीं करता। टेलीग्राम ने केंद्र सरकार के आदेश को कानूनी खामियों से ग्रस्त बताते हुए कहा कि समिति ने सर्वसम्मति से अंतरिम निर्देश की पुष्टि करने की सिफारिश की थी।

केंद्र सरकार ने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि टेलीग्राम के आर्किटेक्चर और परीक्षा से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में इसके बार-बार गलत इस्तेमाल के कारण अधिकारियों के पास इमरजेंसी ब्लॉकिंग शक्तियों का इस्तेमाल करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा था। एक हलफनामे में केंद्र ने कहा, यह फैसला दूसरे सभी विकल्पों को आजमाने के बाद ही लिया गया, जिसमें गैर-कानूनी कंटेंट को खास तौर पर हटाने के बार-बार किए गए अनुरोध भी शामिल थे, जो नाकाफी पाए गए।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने फैसले को बरकरार रखा और टेलीग्राम की याचिका खारिज कर दी।

नीट यूजी री- एग्जाम 2026 : एनटीए ने जारी की सख्त सुरक्षा एडवाइजरी, व्हाट्सएप पर मिल रहे एडमिट कार्ड अपडेट्स

नई दिल्ली : नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली नीट यूजी 2026 री-परीक्षा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। परीक्षा से ठीक पहले एनटीए ने उम्मीदवारों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह और ड्रेस कोड से जुड़ी गाइडलाइंस जारी की हैं। इसके साथ ही, जिन उम्मीदवारों ने अभी तक री- एग्जाम के लिए अपना नया एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किया है, उन्हें एनटीए की ओर से रिमाइंडर रटर, ईमेल और पहली बार व्हाट्सएप नोटिफिकेशन भी भेजे जा रहे हैं।
परीक्षा के माहौल में छात्रों को फजीवाड़े और अफवाहों से बचाने के लिए एनटीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म " (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए अलर्ट जारी किया है। एनटीए ने साफ किया है कि छात्र किसी भी नकली मैसेज या पेपर लीक के दावों के झांसे में न आएं।

असली और फर्जी संदेश की पहचान कैसे करें:

- **वेरिफाइड नंबर :** एनटीए का आधिकारिक और वेरिफाइड व्हाट्सएप नंबर +91 78279 80287 है।
- **ब्लू टिक :** मैसेज आने पर नाम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के साथ 'नीला वेरिफाइड टिक' जरूर देखें। बिना नीले टिक वाले किसी भी नंबर से आए मैसेज को एनटीए का न मानें।
- **कोई व्यक्तिगत जानकारी नहीं :** एनटीए का यह नंबर सिर्फ ब्रॉडकास्ट (जानकारी देने) के लिए है। एजेंसी कभी भी आपसे जवाब देने, ओटीपी, पर्सनल डेटा या किसी भी तरह के पेमेंट/रुपयों की मांग नहीं करती है।
- **पेपर लीक के दावों पर रोक :** एनटीए ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वे व्हाट्सएप या किसी अन्य माध्यम पर कभी भी प्रश्नपत्र, आंसर की या लीक हुआ मटीरियल नहीं भेजते हैं।
- **एडमिट कार्ड को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट :** उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तुरंत अपना री-टेस्ट एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।
- **महत्वपूर्ण सूचना :** ध्यान रहे कि पिछले महीने (3 मई) जारी किया गया पुराना एडमिट कार्ड अब पूरी तरह से अमान्य है। परीक्षा केंद्र पर केवल नया री-टेस्ट एडमिट कार्ड ही स्वीकार किया जाएगा।
- **एग्जाम सेंटर गाइडलाइंस :** ये दस्तावेज लाना है जरूरी

परीक्षा केंद्र पर प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के पास निम्नलिखित चीजें होना अनिवार्य है, अन्यथा उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी :
नया री-टेस्ट एडमिट कार्ड (हार्ड कॉपी/प्रिंटआउट)।
सरकार द्वारा जारी फोटो आई प्रूफ (जैसे : पैन कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, आदि)।
एनटीए द्वारा जारी सख्त ड्रेस कोड
परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए एनटीए ने पुरुष और महिला दोनों उम्मीदवारों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया है :

पुरुष उम्मीदवारों के लिए नियम :

कपड़े : केवल कैजुअल ट्राउजर, पैंट या साधारण जींस पहनने की अनुमति है।
फुटवियर : परीक्षा केंद्र पर जूते पहनकर न जाएं, इसके बजाय साधारण चप्पल पहनें
अन्य : किसी भी प्रकार की टोपी, मफलर या सिर ढकने वाली अन्य चीजों को पहनने की अनुमति नहीं है।
महिला उम्मीदवारों के लिए नियम :
कपड़े : साधारण लेगिंग्स या ट्राउजर पहनकर ही केंद्र पर आएं।
फुटवियर : साधारण सैंडल चुनें, जूतों की अनुमति नहीं होगी।
विशेष निर्देश : हाथों में मेहंदी न लगाएं (बायोमेट्रिक हाजिरी में दिक्कत से बचने के लिए) और परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी तरह का हैंडबैग या पर्स न ले जाएं।

भारत के लिए बड़ी खुशखबरी

तीन महीने से होर्मुज में फंसा टैंकर दिशा 62 हजार टन ईंधन लेकर पहुंचा गुजरात

एजेंसी

भरूच : तीन महीने के इंतजार के बाद एलएनजी टैंकर दिशा सफलतापूर्वक हॉर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए गुजरात के दहेज पहुंचा है। यह टैंकर शुक्रवार सुबह लगभग 7:32 बजे दहेज एलएनलजी टर्मिनल पर आया।

जानकारी के अनुसार, यह जहाज कतर के रास लाफान एलएनजी टर्मिनल से 62,370 मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) लेकर रवाना हुआ था। टैंकर दिशा लगभग तीन महीने से अधिक समय तक गल्फ क्षेत्र में फंसा हुआ था। मध्य-पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हॉर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षा स्थिति को लेकर अनिश्चितता के कारण इसकी यात्रा में देरी हुई थी।

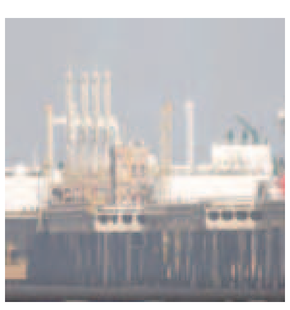

यह जहाज शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम की ओर से संचालित किया जा रहा है। इसे पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के लिए चार्टर किया गया है।

क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं और समुद्री मार्गों पर बढ़ते तनाव के चलते दिशा को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद जहाज ने सुरक्षित रूप से अपनी यात्रा पूरी की और भारत पहुंचा। मध्य-पूर्व की तनावपूर्ण स्थिति के बाद हॉर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले पहले भारतीय एलएनजी कैरियर्स में दिशा का नाम भी शामिल हो गया है। ऐसे संवेदनशील समय में जहाज का सुरक्षित रूप से दहेज पहुंचना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दहेज स्थित एलएनजी टर्मिनल देश का सबसे बड़ा एलएनजी आयात केंद्र है। ऐसे में दिशा का सुरक्षित आगमन भारत के प्राकृतिक गैस आपूर्ति तंत्र के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। हॉर्मुज स्ट्रेट दुनिया के ऊर्जा व्यापार का एक रणनीतिक समुद्री मार्ग है, जहां तनाव के कारण एलएनजी और कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका बनी हुई थी।

बिना रोक-टोक आने-जाने लगे जहाज, अमेरिका ने खत्म की ईरान की घेराबंदी

एजेंसी

वाशिंगटन: पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए समझौता होने के बाद अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी खत्म कर दी है। अमेरिका के सेंट्रल कमान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति के निर्देश के अनुसार अमेरिकी सेना ने ईरानी बंदरगाहों और तटीय इलाकों में आने-जाने वाले सभी समुद्री जहाजों पर लगी नाकेबंदी हटा ली है। अमेरीकी सेना ईरानी बंदरगाहों पर आने-जाने वाले जहाजों को नहीं रोक रही है। सेना की नाकेबंदी लागू करने की सभी कोशिशें बंद कर दी गई हैं। हमारे बेहतरीन नौसैनिक जहाज उस इलाके में मौजूद रहेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समझौते की सभी बातों का पालन हो रहा है और वे पूरी तरह से लागू हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने कहा कि अलग राय होने के बावजूद उन्होंने अमेरिका के साथ समझौते को मंजूरी दी, हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से यह भरोसा मिलने के बाद कि वह ईरानी राष्ट्र के अधिकारों की रक्षा करेंगे, उन्होंने (श्री खामेनेई) इस समझौता को होने दिया। उन्होंने कहा कि भले ही भविष्य में ईरान और अमेरिका के बीच आमने-सामने बातचीत होगी, लेकिन इसका मतलब दुश्मन के रुख को स्वीकार करना नहीं होगा।

ट्रंप ने सभी मोर्चों पर युद्धविराम का आह्वान किया: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका को सभी मोर्चों पर पूरी तरह से युद्धविराम की उम्मीद है। उन्होंने पश्चिम एशिया में सभी पक्षों से अपनी-अपनी प्रतिबद्धताओं वादों को पूरा करने की अपील की है। श्री ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर एक पोस्ट में लिखा कि हम सभी मोर्चों पर पूर्ण युद्धविराम की अपेक्षा करते हैं, जिसमें लेबनान, हिज्बुल्लाह और इजराइल भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अमरीका शांति के लिए प्रतिबद्ध है और हम पश्चिम एशिया में सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखें, ताकि हमारी बातचीत सही ढंग से आगे बढ़ सके। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को फ्रांस में ईरान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत गुरुवार से 60 दिनों की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हुई। इसका मकसद एक अंतिम समझौते पर पहुंचना है। इस एमओयू में लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से रोकने की बात कही गई है। हालांकि इजरायल ने कहा है कि उसका लेबनान से अपनी सेना हटाने का कोई इरादा नहीं है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर बोले मुख्यमंत्री योगी -

अपराधी कोई भी हो, नहीं बचेगा

- अयोध्या में कहा- 15 दिन में एसआईटी दूध का दूध, पानी का पानी कर देगी

एजेंसी

अयोध्या: राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को पहली बार अयोध्या पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 1857 के बाद अंग्रेजों ने देश के युवाओं को दबाने का प्रयास किया, लेकिन युवा दबा नहीं। चौरी-चौरा, काकोरी ट्रेन को अंजाम दिया। अंग्रेज ज्यादा दिन ठहर नहीं पाए। आज यह देश आजाद है। नए उत्तर प्रदेश में हम रहे हैं।

झलकारी बाई ने देश की आजादी के लिए फिरंगियों को नाको चने चबाने के लिए मजबूर कर दिया था। राष्ट्र नायकों का सम्मान करना राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करता है। हमारी सरकार ने महारानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अनेक अभियान प्रारंभ कराया। हमने वीरांगनों के नाम पर 3 पीएसी की यूनिट बनाए हैं। यह वीरांगना झलकारी बाई, अवंतीबाई, उदादेवी पासी के नाम पर हैं। हमने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन तीनों बटालियन में सिर्फ बेटियां ही भर्ती होंगी।

सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहते हैं राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों पर गोली चलवाने वाले और राम के नारे लगाने पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। अयोध्या के बारे में समाचार पत्रों से सुनने को मिला। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। लेकिन, मैं सभी पक्षों से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे।

सीएम योगी ने कहा, अब हर गरीब के घर में फ्री में शौचालय बन रहा है। जिन लोगों ने 2017 के पहले शासन किया था। आखिर उन्होंने कामाख्या धाम को नगर पंचायत क्यों नहीं बनाया। यहां की सड़कें क्यों नहीं बनाईं। क्यों गरीब को तब राशन नहीं मिल पाता था।

क्योंकि, उन लोगों में संवेदना और इच्छाशक्ति नहीं थी। उनके लिए आपके कोई मायने नहीं। सिर्फ परिवार ही उनके लिए सबकुछ है। नौकरी मिलेगी तो उनके खानदान को, सुविधा मिलेगी तो उनके खानदान को, वो वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा कैसे लगवाते, क्योंकि उनको कब्रिस्तान की बाउंड्री से ही फुर्सत नहीं मिलती थी। उनकी सोच ही कब्रिस्तान तक सीमित थी।

श्रीनगर के खोनमोह सीमेंट फैक्ट्री में लगी आग, सात मजदूर झुलसे,एक गंभीर

श्रीनगर : श्रीनगर के बाहरी इलाके खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार देर रात चिमनी में आग लगने से सात मजदूर झुलस गए। घायलों में एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य छह का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार, खोनमोह स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में हादसा उस समय हुआ जब फैक्ट्री परिसर में श्रमिक नियमित कार्य में लगे हुए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्ट्री की चिमनी में अचानक आग लग गई, जिससे वहां मौजूद श्रमिकों में अफरा-तफरी मच गई। आग और उससे निकली तेज गर्मी की चपेट में आने से सात मजदूर झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। सभी घायलों को मौके से निकालकर विशेष उपचार के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल प्रशासन ने घायलों को आपातकालीन और बर्न केयर यूनिट में भर्ती किया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल हुए सभी सात मजदूरों का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि एक श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गया है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि बाकी छह मजदूरों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

हत्या के मामले का पुलिस ने किया खुलासा

ओझा-गुनी के शक में हुई थी वृद्ध की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार: जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर गांव में वृद्ध की हत्या की गुत्थी सुलझ गई। पुलिस छानबीन में इस बात का खुलासा हुआ कि वृद्ध बिगन उरांव की हत्या ओझा-गुनी के शक में की गई थी। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल आरोपी चामू उरांव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दरअसल, लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत चितरपुर गांव निवासी बिगन उरांव की हत्या कुल्हाड़ी से मारकर अज्ञात लोगों ने कर दी थी। मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची थी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया था। इसके बाद मामले की छानबीन में जुट गई थी। इस क्रम में पुलिस को पता चला कि गांव के कुछ लोग बिगन उरांव पर ओझा-गुनी का आरोप लगाकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे।

आरोपी ने स्वीकार किया अपराध

: पुलिस की टीम ने जब इस बिंदु पर छानबीन आरंभ की तो हत्या का मामला सुलझ गया। पुलिस ने गांव के रहने वाले चामू उरांव को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना अपराध स्वीकार करते हुए यह बताया कि बिगन उरांव ओझा-गुनी कर उसके परिवार को परेशान कर रहा था। इसीलिए उसने बिगन उरांव की हत्या कर दी।

चामू के घर में कुछ लोग थे बीमार

: पुलिस की पूछताछ में आरोपी चामू उरांव ने बताया कि उसके घर में पिछले कुछ दिनों से परिवार के लोग लगातार बीमार पड़ रहे थे। साथ ही कुछ लोगों की मौत भी हो गई थी। परिवार के सदस्यों के लगातार बीमार पड़ने के कारण चामू उरांव को शक हुआ कि बिगन उरांव ही ओझा-गुनी कर उसके परिवार को परेशान कर रहा है। इस शक ने अपराध का रूप ले लिया। 2 दिन पूर्व जब बिगन उरांव अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर गया था तो वहां पहले से घात लगाए चामू उरांव ने सुनसान जगह देखकर बिगन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। आरोपी को भेजा गया जेलः इधर, इस संबंध में थाना प्रभारी अमित कुमार रविदास ने बताया कि बिगन उरांव की हत्या अंधविश्वास में की गई थी। आरोपी ने ओझा-गुनी के शक में वृद्ध की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

21 लाख 25 हजार रु मूल्य की अफीम व अफीम डोडा बरामद

चतरा : चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में चतरा पुलिस ने गुरुवार को हुई एक बड़ी कार्रवाई में 21 लाख 25 हजार मूल्य के मादक पदार्थ अफीम एवं अफीम डोडा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। आज सिमरिया में आयोजित प्रेस वार्ता में सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाऊ साहेब ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि लावालौंग थाना क्षेत्र के सिलदाग गांव में एक तस्कर मनराज गंझू (28 वर्ष)अफीम का भंडारण किये हुए है और बाहर के व्यापारियों को बेचने के फिराक में है। सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई में मनराज गंझू को भंडारित अफीम एवं डोडा के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्री भाऊ साहेब ने बताया कि मौके से 2 किलोग्राम अफीम,75 किलोग्राम अफीम डोडा और तस्कर का आधार कार्ड एवं मोबाइल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित मूल्य लगभग 21 लाख 25 हजार रु है।इस संबंध में लावालौंग थाना कांड सं0- 40/26, दि0- 19.06.2026 धारा- 15(सी)/17(बी)/18(बी)/22(सी) एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया है। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर पर तहत पूर्व में भी लावालौंग थाना कांड सं0-05/26, दिनांक 07.02.2026, धारा- 18/27(ए)/28/29/30 एनडीपीएस एवं 33 भारतीय वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।

एनएमएमएस परीक्षा में डीएवी शिक्षादीप के छात्र को सफलता, मिलेगी 48 हजार की छात्रवृत्ति

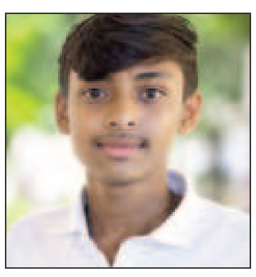

चतरा: जिले के लावालौंग प्रखंड मुख्यालय स्थित डीएवी शिक्षादीप स्कूल के विद्यार्थी ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल माह में आयोजित राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएस) परीक्षा में विद्यालय के आठवीं कक्षा के छात्र नितिश कुमार ने सफलता हासिल की है।इस सफलता के बाद नितिश कुमार को सरकार की ओर से पुरस्कार स्वरूप 48 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई में आर्थिक सहायता मिलेगी।विद्यालय प्रबंधन के अनुसार,डीएवी शिक्षादीप के छात्र इससे पूर्व भी ओलंपियाड, स्ट्रेमेक्स एवं एनएमएमएस समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके हैं।विद्यालय की प्राचार्या कुमारी अनुप्रिया पांडेय ने छात्र की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं।उन्होंने बताया कि विद्यालय के लगभग 50 पूर्व छात्र वर्तमान में इंजीनियर,दारोगा,सेना सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।नितिश कुमार की इस सफलता से विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं अभिभावकों में खुशी का माहौल है।विद्यालय के शिक्षकों ने इसे विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम बताते हुए छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर सिख समुदाय ने किया शर्बत व छबीला का वितरण

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र में जगह-जगह गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गुरुवार को हंटरगंज बाजार देवी मंडप के पास में सिख समुदाय ने राहगीरों को ठंडा शर्बत व छबीला प्रसाद वितरण किया गया। यहां सभी समाज के लोगों ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। यहां वाहन चालकों को रोक कर ठंडा शर्बत पिलाया गया। केदली गुरुद्वारा के प्रधान बलजीत सिंह ने बताया है कि गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व मनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि गुरु अर्जुन देव जी की शहादत अतुलनीय है। मानवता के सच्चे सेवक, धर्म के रक्षक, शांत और गंभीर स्वभाव के स्वामी गुरु अर्जुन देव सर्वमान्य लोकनायक थे। उन्होंने दिन रात जनता की सेवा में लगाए थे। उनके मन में धर्मों के प्रति अथाह सम्मान था। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के प्रधान सरदार बलजीत सिंह, के अलावा सचिव सरदार नंदकिशोर सिंह, सरदार ज्ञान सिंह, सरदार सतपाल सिंह, सरदार प्रीतम सिंह, सरदार समरजीत सिंह, सरदार तखत सिंह सहित अन्य सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही। साथ ही बाबा दीप सिंह जी सेवा समिति,माता गुजरी जी सेवा समिति एवं समस्त साध-संगत ने सेवा, सहयोग और समर्पण के भाव से कार्यक्रम को सफल बनाया।अंत में गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी ने सभी श्रद्धालुओं, सेवादारों एवं सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु अर्जन देव जी महाराज का जीवन सत्य, सेवा, त्याग और मानव कल्याण की प्रेरणा देता है। उनकी शिक्षाओं को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

विशेष बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत 7 बाल श्रमिकों को कराया गया मुक्त

चतरा: बाल श्रम उन्मूलन एवं बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार गुरुवार को चतरा प्रखंड अंतर्गत ऊंटा एवं रमटुंडा क्षेत्र में विशेष बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया। श्रम विभाग द्वारा गठित धावा दल ने विभिन्न होटलों, ढाबों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य कार्यस्थलों पर सघन जांच अभियान संचालित कर बाल श्रम के विरुद्ध कार्रवाई की।अभियान के दौरान रमटुंडा स्थित एक ढाबे में कार्यरत एक बाल श्रमिक की पहचान कर उसे तत्काल बाल श्रम से मुक्त कराया गया। वहीं ऊंटा रोड क्षेत्र में एक ट्रैक्टर पर कार्य कर रहे छह बाल मजदूरों को भी मुक्त कराया गया। इस प्रकार अभियान के दौरान कुल सात बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कर सुरक्षित संरक्षण में लिया गया।मुक्त कराए गए सभी बच्चों को आवश्यक देखभाल, संरक्षण एवं पुनर्वास की प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। साथ ही संबंधित नियोजकों के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 2016 के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक बुराई होने के साथ-साथ दंडनीय अपराध भी है।

उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय प्रतापपुर का किया निरीक्षण, छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

संवाददाता

चतरा : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने प्रतापपुर प्रखंड भ्रमण के क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, प्रतापपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, आईसीटी क्लास रुम, छात्रावास, भोजनालय, स्वच्छता व्यवस्था तथा छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं का जायजा लिया।उपायुक्त ने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को विद्यालय एवं छात्रावास परिसर में नियमित स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि

स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण छात्राओं के बेहतर शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने आईसीटी क्लास रुम का अवलोकन कर डिजिटल माध्यम से संचालित पठन-पाठन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं के बीच बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया तथा उनकी पढ़ाई-लिखाई, विषयगत रुचि, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं भविष्य की योजनाओं के संबंध में जानकारी ली। छात्राओं से बातचीत के दौरान उन्होंने उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा कठिन परिश्रम एवं आत्मविश्वास के बल पर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश से आने वाली छात्राएं भी अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर उच्च मुकाम हासिल कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संदेश दिया।इस अवसर पर उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन से छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रेरणादायक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी प्रतापपुर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एनईपी 2020 की नई उड़ान

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में शिक्षकों को मिला समावेशी व कौशल आधारित शिक्षा का मंत्र

मेट्रो रेज संवाददाता

झुमरी तिलैया : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मॉडर्न पब्लिक स्कूल, झुमरी तिलैया में एक दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के मूल सिद्धांतों से अवगत कराते हुए उन्हें कक्षा शिक्षण में व्यावहारिक रूप से लागू करने के लिए तैयार करना था। कार्यशाला के मुख्य वक्ता चंद्र प्रकाश ने समावेशी और योग्यता आधारित शिक्षा विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि 21वीं सदी में केवल रटकर सीखना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों में समझ, तर्कशक्ति, रचनात्मकता और कौशल का विकास करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ठएढ 2020 का मुख्य उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर दिव्यांग और वंचित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पांच प्रमुख

स्तंभों समावेशी शिक्षा, योग्यता आधारित शिक्षण, 5+3+3+4 पाठ्यक्रम संरचना, मातृभाषा में शिक्षा तथा बहु-विषयक अध्ययन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला के दौरान शिक्षकों के बीच समूह चर्चा भी हुई, जिसमें कक्षाओं को अधिक समावेशी और छात्र-केंद्रित बनाने के व्यावहारिक उपाय साझा किए गए। विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि एनईपी 2020 केवल एक नीति नहीं, बल्कि शिक्षा में व्यापक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने शिक्षकों से हर बच्चे पर विशेष ध्यान देने, रटने की संस्कृति के बजाय अवधारणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने तथा नवाचार और तकनीक को अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय की निर्देशिका ने कहा कि मॉडर्न पब्लिक स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ- साथ चरित्र निर्माण को भी समान महत्व दिया जाता है। विद्यालय का लक्ष्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है जो आत्मविश्वासी, नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण और जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों। उत्साहपूर्ण सहभागिता के साथ संपन्न हुई इस कार्यशाला का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

डालसा का विधिक जागरूकता कार्यक्रम

पीड़ितों के पुनर्वास के लिए संचालित कल्याणकारी योजना है प्रोजेक्ट तृप्तिः राजेश

संवाददाता

मुरीः न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं न्यायायुक्त, रांची अनिल कुमार के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव राकेश रौशन की मौजूदगी में राधिका मैदान में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, पीएलवी गणेश कुमार, ब्रजेश कुमार महतो, सुनील कुमार महतो, कौशल्या देवी, शंकर महतो, बंशीधर घटवार, पंकज महतो, राजकुमार, चालक राजा वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने उपस्थित लोगों को कहा कि प्रोजेक्ट तृप्ति मुख्य रूप से झारखंड में भूख को मिटाने, भुखमरी से होने वाली मौतों को

रोकने और मानव तस्करी से मुक्त कराए गए पीड़ितों के पुनर्वास के लिए संचालित एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण कानूनी कल्याणकारी योजना है। उन्होंने कहा कि भारत में खाद्य सुरक्षा कानून होने के बावजूद, कई सुदूरवर्ती और आदिवासी क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण लोग भुखमरी और कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए झालसा ने प्रोजेक्ट तृप्ति की शुरूआत की। इस योजना का प्राथमिक लक्ष्य राज्य के किसी भी कोने में भूख से होने वाली मौतों को रोकना है। यह प्रोजेक्ट विशेष रूप से मानव तस्करी के जाल से छुड़ाए गए बच्चों और महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके पुनर्वास के लिए काम करता है आगे श्री सिन्हा ने बाल विवाह, बाल श्रम, सड़क दुर्घटना, घरेलू हिंसा, पेशा अधिनियम, लोक अदालत तथा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

मत्स्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की हुई समीक्षा

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला मत्स्य कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को प्रदान की जा रही सुविधाओं तथा मत्स्य उत्पादन बढ़ाने से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले में मत्स्य पालन गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने पर बल दिया। उपायुक्त ने कहा कि मत्स्य

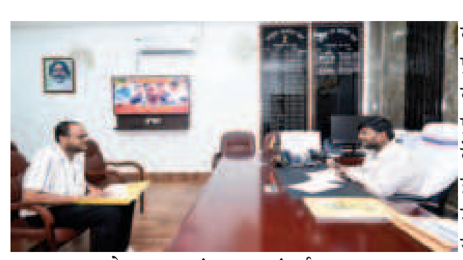

पालन स्वरोजगार एवं आय संवर्धन का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके विस्तार के लिए पात्र मत्स्य पालकों को ऋण सुविधा एवं विभागीय योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लाभुकों तक योजनाओं की पहुंच बढ़ाने तथा मत्स्य उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।बैठक में मत्स्य पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की गई। उपायुक्त ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के माध्यम से जिले में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर विशेष जोर दिया।

खूंटी में मोहर्रम जुलूस निकालने का निर्णय, सेंट्रल मोहर्रम कमेटी का गठन

खूंटीः जन्नत नगर, खूंटी में गुरुवार की रात नमाज-ए-ईशा के बाद सेंट्रल मोहर्रम कमेटी खूंटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मोहम्मद इम्तियाज अंसारी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष मोहर्रम का जुलूस पारंपरिक तरीके से निकालने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान सेंट्रल मोहर्रम कमेटी का पुनर्गठन भी किया गया। नवनिर्वाचित कमेटी में मोहम्मद रहमान अंसारी को अध्यक्ष (सदर), मोहम्मद सय्युम अंसारी को उपाध्यक्ष (नायब सदर), मोहम्मद रिजवान खान को सचिव, मोहम्मद नैयर आलम को उप सचिव (नायब सेक्रेटरी) तथा मोहम्मद आसिफ को कोषाध्यक्ष (खजांची) चुना गया। बैठक में बताया गया कि खूंटी में मोहर्रम का जुलूस पूरे हर्षोल्लास, अनुशासन और पारंपरिक उत्साह के साथ निकाला जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार नवमी का जुलूस 27 जून 2026 (शनिवार) को शाम 5 बजे से तथा पहलाम का जुलूस 28 जून 2026 (रविवार) को दोपहर 1:30 बजे से निकाला जाएगा।

कौलेश्वरी मंदिर का हटवरिया द्वार बना शराबियों का अड्डा

कौलेश्वरी प्रबंधन समिति और पुलिस-प्रशासन पर उठे सवाल

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड में स्थित प्रसिद्ध मां कौलेश्वरी मंदिर तीन धर्मों के संगम स्थल के रूप में देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान रखता है। यहां सप्ताह के सातों दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है और प्रतिदिन सैकड़ों महिला एवं पुरुष भक्त पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद यह धार्मिक स्थल आज भी कई मूलभूत समस्याओं और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहा है।मंदिर पहाड़ के नीचे स्थित मुख्य प्रवेश द्वार हटवरिया के आसपास बड़ी संख्या में शराब की खाली बोतलें, प्लास्टिक कचरा और गंदगी फैली हुई है। वहां की तस्वीरें स्वयं इस बात की गवाही देती हैं कि लंबे समय से इस क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम ढलते ही कुछ लोग पूजा-अर्चना के बहाने यहां पहुंचते हैं और मुख्य द्वार के आसपास बैठकर शराब का सेवन करते हैं। इसके बाद वे खाली बोतलें और अन्य कचरा वहीं छोड़कर चले जाते हैं, जिससे धार्मिक स्थल की पवित्रता और गरिमा प्रभावित हो रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर प्रबंधन समिति और स्थानीय प्रशासन को इस स्थिति की जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। यही कारण है कि असामाजिक तत्वों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। यह क्षेत्र श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए मुख्य मार्ग है, बावजूद इसके यहां नियमित निगरानी और सफाई व्यवस्था का अभाव देखने को मिलता है।श्रद्धालुओं का कहना है कि एक ओर सरकार धार्मिक और पर्यटन स्थलों के विकास की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों पर गंदगी और अव्यवस्था प्रशासनिक उदासीनता को उजागर करती है। लोगों ने सवाल उठाया है कि पुलिस गश्ती और निगरानी व्यवस्था होने के बावजूद इस प्रकार की गतिविधियां आखिर कैसे जारी हैं।स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और मंदिर प्रबंधन समिति से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए क्षेत्र में नियमित सफाई अभियान चलाने, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा शराब सेवन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मां

कौलेश्वरी मंदिर की गरिमा और पवित्रता बरकरार रह सके।

मुख्य द्वार के पास लगा हाई मास्ट लाइट बना शोभा की वस्तुः स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर के मुख्य द्वार के समीप लगाया गया हाई मास्ट लाइट लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है। शाम होते ही मुख्य द्वार का इलाका अंधेरे में डूब जाता है, जिससे असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशंका बनी रहती है। लोगों का कहना है कि यह स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना को भी आमंत्रित कर सकती है। उन्होंने संबंधित विभाग और मंदिर प्रबंधन समिति से शीघ्र हाई मास्ट लाइट को चालू कराने की मांग की है।

बुनियादी सुविधाओं का अभाव, श्रद्धालु परेशानः मंदिर परिसर में साफ-सफाई, शौचालय और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव देखा जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पहुंचती हैं, लेकिन उनके लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। परिसर में बना शौचालय भी अधिकांश समय बंद रहने की शिकायत सामने आती रही है, जिससे श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मंदिर को सालाना लाखों की आमदनी, फिर भी व्यवस्था नगण्य

: मां कौलेश्वरी मंदिर की आय के कई स्रोत हैं। मंदिर परिसर में आने वाले वाहनों से प्रवेश शुल्क भी लिया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस आय का उपयोग मंदिर के रखरखाव, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं के विकास पर किया जाना चाहिए। हालांकि मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पर्याप्त आय होने के बावजूद मंदिर परिसर की व्यवस्था में अपेक्षित सुधार क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। लोगों ने मंदिर प्रबंधन समिति से आय और खर्च का विवरण सार्वजनिक करने तथा व्यवस्थाओं में सुधार लाने की मांग की है।

क्या कहते हैं कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के सचिव सह अंचल अधिकारीः इधर कौलेश्वरी मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव सह हंटरगंज अंचल अधिकारी रितिक कुमार ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि मंदिर परिसर और मुख्य द्वार के आसपास अवैध रूप से शराब सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखना समिति की प्राथमिकता है और इस तरह की गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सचिव ने यह भी स्वीकार किया कि मुख्य द्वार के पास लगा हाई मास्ट लाइट खराब है। उन्होंने बताया कि जल्द ही हाई मास्ट लाइट को दुरुस्त कर पुनः चालू कराया जाएगा, ताकि क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके और असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। साथ ही मंदिर परिसर की साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं में भी सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

चोरी के गहने के साथ पकड़ाया शातिर चोर, पुलिस ने शुरू की जांच

✔ ग्रामीणों ने महिला के कपड़े पहनाकर पूरे गांव में घुमाया

संवाददाता

रांची/ओरमांझी: थाना क्षेत्र के झिरी गांव में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा उस समय फूट पड़ा, जब एक कथित शातिर चोर चोरी के जेवरात के साथ पकड़ा गया।

ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पहले महिला परिधान पहनाया, फिर पूरे गांव में घुमाते हुए पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार, झिरी गांव निवासी 25 वर्षीय श्रवण पाहन पर बुधवार रात स्व. रवि मुंडा की पत्नी सीता देवी के घर में चोरी करने का आरोप है। सुबह सीता देवी ने बक्से का टूटा ताला देखा और चांदी के जेवरात गायब पाए, तो उसने गांव वालों को इसकी जानाकरी दी।

ग्रामीणों ने संदेह के आधार पर श्रवण की तलाश शुरू की और कुछ ही घंटों बाद उसे गंगुटोली ओरमांझी से पकड़ लिया। ग्रामीणों ने बताया आरोपी के पास से चोरी गए जेवरात भी बरामद हुए। इसके बाद वर्षों से चोरी की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों व महिलाओं का आक्रोश फूट पड़ा। महिलाओं ने आरोपी को महिला परिधान पहनाकर गांव की गलियों में घुमाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ लोगों द्वारा आरोपी की पिटाई किए जाने की भी सूचना है।

पहले भी कई घरों में कर चुका है चोरीः ग्राम प्रधान रामकिशन मुंडा ने बताया आरोपी पहले भी गांव के कई घरों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुका है। ग्रामीणों का कहना है आरोपी युवक जेवरात, नकदी के अलावा महिलाओं व बच्चों के कपड़े तक चोरी कर लेता था, जिससे गांव के लोग काफी परेशान हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही ओरमांझी थाना पुलिस गांव पहुंची और आरोपी को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई। पुलिस बरामद जेवरात के संबंध में पूछताछ कर, मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने लोगों से कानून अपने हाथ में नहीं लेने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

किशोरों के लिए सुरक्षित डिजिटल माहौल बनाने पर मेटा का जोर

रांचीः मेटा ने इंस्टाग्राम, फेसबुक और मैसेंजर पर किशोरों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कई नए फीचर्स शुरू किए हैं। कंपनी ने टीन अकाउंट्स के लिए 13+ कंटेंट सेटिंग्स को वैश्विक स्तर पर लागू करना शुरू किया है, जिससे उम्र के अनुरूप कंटेंट दिखाया जाएगा और अनुपयुक्त सामग्री तक पहुंच सीमित होगी। मेटा ने एआई आधारित आयु पहचान तकनीक का भी विस्तार किया है, जो प्रोफाइल, पोस्ट, फोटो और वीडियो के संकेतों के आधार पर कम उम्र के खातों की पहचान करने में मदद करेगी। इसके अलावा, इंस्टाग्राम सुपरविजन फीचर के तहत यदि कोई किशोर बार-बार आत्महत्या या खुद को नुकसान पहुंचाने से जुड़े शब्द खोजता है, तो उसके माता-पिता को अलर्ट भेजा जाएगा। मेटा इंडिया की पब्लिक पॉलिसी डायरेक्टर नताशा जोग ने कहा कि इन अपडेट्स का उद्देश्य किशोरों को सुरक्षित और उम्र के अनुरूप ऑनलाइन अनुभव उपलब्ध कराना है। साथ ही फैमिली सेंटर के जरिए अभिभावक अपने बच्चों

राज्यसभा चुनाव में बैद्यनाथ राम की जीत पर हाजी जुनैद अनवर ने दी बधाई

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड राज्यसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रत्याशी एवं पूर्व लातेहार विधायक सह मंत्री बैद्यनाथ राम के राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर झामुमो नेता हाजी जुनैद अनवर ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में हाजी जुनैद अनवर ने कहा कि बैद्यनाथ राम का राज्यसभा के लिए निर्वाचित होना झारखंड की जनता, विशेषकर वंचित एवं पिछड़े वर्गों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रतिनिधित्व प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि श्री राम लंबे समय से जनसेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं तथा उनके अनुभव का लाभ राज्य और देश को मिलेगा।

हाजी जुनैद अनवर ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यसभा सदस्य के रूप में बैद्यनाथ राम झारखंड के विकास, आदिवासी-मूलवासी हितों की रक्षा तथा जनकल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद में उठाएंगे। उन्होंने उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए पुनः हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

तीन दिवसीय कृषि व्यापार मेला समाप्त

✔ कृषि विभाग के स्टॉल को प्रथम, मत्स्य विभाग के स्टॉल को द्वितीय और बागवानी विभाग को मिला तृतीय पुरस्कार

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी के मोरहाबादी में आयोजित तीन दिवसीय कृषि व्यापार मेला का समापन हो गया। मेले में तीन दिनों के दौरान काफी संख्या में लोग पहुंचे और लाभान्वित हुए। मेले में कृषि निदेशालय के अधीनस्थ (कृषक पाठशाला) को बेहतरीन प्रदर्शन व उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। वहीं, मत्स्य निदेशालय को समेकित मछलीपालन के लिए द्वितीय पुरस्कार व बागवानी विभाग को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

राज्य के प्रगतिशील किसान बुधन सिंह पूर्ति एवं उनकी टीम (पूर्ति एग्रोटेक) को नवाचार में पर्ल कल्चर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। कृषि, पशुपालन व सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कृषि व्यापार मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रदर्शित कृषि उपकरणों व अन्य सामग्रियों के प्रदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। मेले के सफल आयोजन में कृषि, पशुपालन, सहकारिता विभाग के अधीनस्थ मत्स्य निदेशालय, कृषि निदेशालय, गव्य विकास निदेशालय, बागवानी विभाग सहित राज्य के प्रगतिशील किसानों और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न संस्थाओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। विभागीय सचिव अबूबकर सिद्दीख पी. ने मेले के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। पशुपालन विभाग के निदेशक रॉबिन टोप्पो, मत्स्य निदेशालय के निदेशक अमरेंद्र कुमार, गव्य विकास विभाग के निदेशक सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मियों का मेले के सफल आयोजन में उत्कृष्ट योगदान रहा।

कृषि व्यापार मेला के थेमेटिक सेशन में मत्स्य निदेशालय का जलवा

–झारखंड में मत्स्य उत्पादन का कीर्तिमान बनाने का लक्ष्य

रांचीः राजधानी के मोरहाबादी में आयोजित तीन दिवसीय कृषि व्यापार मेले में मत्स्य निदेशालय द्वारा लगाए गए स्टॉल व प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बिंदु बना रहा। मत्स्य निदेशालय का तीन दिनों के इस मेले में दूसरा दिन मत्स्य विभाग के नाम रहा। मेले के दूसरे दिन थिमेटिक सेशन में राज्य और देश के प्रख्यात वैज्ञानिकों ने भाग लिया। प्रथम सत्र का विषय था– अनलॉकिंग द पोटेंशियल ऑफ एक्वा टूरिज्म इन झारखंड फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ। जिसमें डॉ. अर्चन कांति दास, प्रधान वैज्ञानिक, सीफरी बैरकपुर, कौशल्यागंगा, भुवनेश्वर, जितेन्द्र सुंदराय, विभागाध्यक्ष एफबीजी, सीआईएफए, भुवनेश्वर, राजीव कुमार, निदेशक मत्स्य (सेवानिवृत्त), मनोज कुमार, सेवानिवृत्त संयुक्त मत्स्य निदेशक तथा निशांत कुमार शुक्ल प्रमुख वक्ता थे।

इस्लाहुल इराकीन कमेटी इटकी के चुनाव में मो.मोइनुद्दीन सचिव पद के मजबूत दावेदार

इटकी/रांची : इस्लाहुल इराकीन कमेटी, इटकी (रांची) का चुनाव आगामी 28 जून को आयोजित होने जा रहा है। सचिव पद के लिए शिक्षित, कर्मठ एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित उम्मीदवार मोहम्मद मोइनुद्दीन चुनाव मैदान में हैं। मोहम्मद मोइनुद्दीन का चुनाव चिन्ह दवात-कलम तथा क्रम संख्या–2 है। उनके समर्थकों ने क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की है कि वे कमेटी के विकास, पारदर्शी कार्यप्रणाली और सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मोहम्मद मोइनुद्दीन को अपना बहुमूल्य मत देकर भारी मतों से विजयी बनाएं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मोहम्मद मोइनुद्दीन लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक एवं जनहित के कार्यों से जुड़े रहे हैं। उनकी ईमानदार कार्यशैली, अनुभव और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए वे सचिव पद के लिए एक योग्य एवं सक्षम उम्मीदवार हैं। समर्थकों ने सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि आगामी 28 जून को मतदान के दिन क्रम संख्या–2, चुनाव चिन्ह दवात-कलम पर मुहर लगाकर मोहम्मद मोइनुद्दीन को विजयी बनाएं तथा कमेटी को विकास और प्रगति की नई दिशा देने में सहयोग करें।

रांची में मोहर्रम की तैयारियां तेज, एकता नौजवान कमेटी ने मो. इस्लाम को चुना खलीफा

गुलाम शाहिद

रांचीः मोहर्रम पर्व को लेकर राजधानी रांची में तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में हिन्दपीढ़ी क्षेत्र में एक बैठक आयोजित कर एकता नौजवान कमेटी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मो. इस्लाम को मोहर्रम का खलीफा चुना गया। बैठक में उपस्थित लोगों ने मो. इस्लाम को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मोहर्रम का जुलूस शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के वातावरण में निकाला जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने तथा मोहर्रम के दौरान सभी धार्मिक और सामाजिक परंपराओं का सम्मान करते हुए कार्यक्रमों के सफल संचालन पर चर्चा की गई। साथ ही हिन्दपीढ़ी में एकता कमेटी का भी गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष पद पर परवेज आलम को चुना गया। कमेटी के सदस्यों ने क्षेत्र में सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक में टिंकू गद्दी, पप्पू गद्दी, मो. आसीफ, फिरोज सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मोहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की।

दुबई में रची गई थी रांची में आरएसएस दफ्तर पर हमले की साजिश,आरोपी गिरफ्तार

✔ आरोपी अमन अंसारी का आईएसआई कनेक्शन भी आया सामने

संवाददाता

रांचीः रांची स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कार्यालय पर पेट्रोल बम हमले की साजिश और उसके क्रियान्वयन से जुड़े मामले में गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस हमले के पीछे दुबई में बैठा एक नेटवर्क सक्रिय था, जिसने लोहरदगा निवासी अमन अंसारी को आरएसएस कार्यालय को निशाना बनाने का टास्क दिया था।

इस मामले में गिरफ्तार अमन अंसारी, सैफ अंसारी और अयान खान से पूछताछ जारी है। इसी दौरान कोतवाली थाना से फरार हुए सैफ अंसारी को मांडर में पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया। भागने के दौरान पुलिस की कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपितों को पूछताछ के लिए कोतवाली थाना में रखा गया था। इसी दौरान सैफ अंसारी ने शौचालय जाने की अनुमति मांगी। वह बाथरूम गया, लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं निकला। संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो पता चला कि वह वेंटिलेटर के रास्ते फरार हो चुका है।

इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और उसकी तलाश शुरू कर दी गई। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने सैफ की गतिविधियों पर नजर रखी।

जांच के दौरान सूचना मिली कि वह बस से मांडर की ओर जा रहा है। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने मांडर टोल प्लाजा के पास बस को रुकवाया और सैफ को हिरासत में ले लिया।

दुबई में बैठकर भट्टी देता है टास्क,मंगवाता है वीडियोः पूछताछ और तकनीकी जांच में पुलिस को इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन के संकेत मिले हैं। जांच में सामने आया है कि दुबई में रहने वाला शाहबाज आलम उर्फ भट्टी आरएसएस कार्यालय पर हमले की साजिश का मुख्य सूत्रधार है।

पुलिस के अनुसार, भट्टी और राना हुसैन दुबई में रहकर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा टीटीएच नामक आतंकी संगठन के लिए काम करते हैं। इन्हीं लोगों ने अमन अंसारी को आरएसएस कार्यालय को निशाना बनाने का टास्क दिया था।

पुलिस का कहना है कि इस काम के बदले अमन को मोटी रकम मिलने वाली थी। अमन ने पूछताछ में बताया कि घटना के दिन जब वह आरएसएस कार्यालय परिसर की ओर पेट्रोल बम फेंक रहा था, तब उसका साथी सैफ अंसारी पूरी घटना का वीडियो बना रहा था। हमले के बाद वीडियो रिकॉर्डिंग दुबई में बैठे शाहबाज आलम उर्फ भट्टी को भेजी गई थी।

दुबई में एसी तकनीशयन का काम करता था अमन वहीं पर भट्टी से हुई थी मुलाकातः जांच में यह भी जानकारी मिली है कि अमन अंसारी के बैंक खाते में कई बार विदेश से पैसे भेजे गए थे। पुलिस इन लेनदेन की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि अमन की मुलाकात भट्टी से उस समय हुई थी जब वह दुबई में एसी तकनीशियन के रूप में काम करता था। जनवरी में उसका वीजा समाप्त हो गया था, जिसके बाद उसे भारत लौटना पड़ा। हालांकि भारत लौटने के बाद भी वह लगातार भट्टी के संपर्क में बना रहा।

भट्टी के नेटवर्क को तलाश रही है पुलिसः अब पुलिस का फोकस झारखंड में सक्रिय उन लोगों की पहचान करने पर है, जो कथित रूप से भट्टी के संपर्क में हैं या उसके लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए विभिन्न जिलों में जांच का दायरा बढ़ाया गया है और केंद्रीय एजेंसियों के साथ भी समन्वय किया जा रहा है।

आरएसएस कार्यालय पर हमले की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। पुलिस ने संवेदनशील स्थलों पर निगरानी बढ़ाई है और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। घटना के बाद पुलिस ने शहर के विभिन्न हिस्सों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे।

जांच के दौरान अमन और सैफ को रांची रेलवे स्टेशन की ओर जाते हुए देखा गया था। इसी आधार पर पुलिस उनकी तलाश में जुटी और दोनों को कोडरमा से गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें सड़क मार्ग से रांची लाया गया फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ और भी महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, गुमला

अल्पकालीन ई– पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

–निविदा संख्या:- 12/R1/2024-25/RWD/W/EE/GUMLA दिनांक:–17-06-2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/ पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि		कार्य समाप्ति की अवधि।	टेंण्डर कॉल सं0
			अंक में (लाख)	अक्षर में		
1	RWD/W/EE/ GUMLA/ 18/ 2024-25	करंज से मालादोन होते हुए नर्रि				

2 वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 22.06.2026
3 ई– निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:–01.07.2026 अपराहन 05.00 बजे तक।
4 निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 03.07.2026 अपराहन 05.05 बजे।
5 निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला, विकास भवन, गुमला के बगल में, पिन–835207
6 ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाश सं0–06524–465040 |
विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, गुमला

PR 382709 (Rural Work Department)26-27*D

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग

ई– अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं0 :– RE-RDSPL/SD/HZB/36/2025-26 (2nd call)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी:

ग्रुप सं0	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	RE-RDSPL/SD/HZB/36/2025-26 (2nd call)	ईचाक	ईचाक प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत अलीजाखुर्द के ग्राम अलीजाकला में आर0सी0सी0 पुलिया का निर्माण।	7969000.00	159400.00	10000.00	09 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.06.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 25.06.2026 से दिनांक 04.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –06.07.2026 अपराह्न 5:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, हजारीबाग
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7061167910
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,
हजारीबाग

PR.NO.382689 Rural Development(26-27):D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

कृत्रिम मादक पदार्थ फेंटानिल ड्रग आपूर्ति नेटवर्क पर प्रहार

दशकों से मादक पदार्थों के खिलाफ प्रयास काफी हद तक परिचित तरीकों का पालन करते रहे हैं। अधिकारी फसलों पर नजर रखते थे, तस्करी गलियारों की निगरानी करते थे, खेपों को रोकते थे और सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले समूहों को निशाना बनाते थे। फेंटानिल ने इस मॉडल को बदल दिया है।

हेरोइन या कोकीन जैसे पौधों से प्राप्त मादक पदार्थों के विपरीत, फेंटानिल एक कृत्रिम मादक पदार्थ है जो दोहरे उपयोग वाले रासायनिक पदार्थों पर बहुत अधिक निर्भर करती है, जिनकी वैध दवा और औद्योगिक बाजारों में भी आपूर्ति होती है। इस बदलाव ने एक राष्ट्रीय संकट को जन्म दिया है। कृत्रिम ओपिओइड, मुख्य रूप से फेंटानिल, अमेरिका में सभी ओवरडोज से होने वाली मौतों में से 60 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं, जिससे सालाना लगभग 48,000 लोगों की जान जाती हैं। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी बेहद घातक हो सकती है। अमेरिकी दूतावास नई दिल्ली में तैनात अमेरिकी सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) के एक अधिकारी के अनुसार, महज दो मिलीग्राम की मात्रा भी घातक हो सकती है। नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में तैनात होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन (एचएसआई) के एक अधिकारी ने कहा, ह्लहम एक ऐसे पदार्थ का सामना कर रहे हैं जिसका निर्माण लगभग कहीं भी, अत्यधिक सांद्र रूपों में किया जा सकता है और उसी वैश्विक व्यापार, वित्तीय और संचार प्रणालियों के माध्यम से इसका परिवहन किया जा सकता है जो वैध व्यापार में मदद करती हैं ह्व एचएसआई अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की प्रमुख जांच शाखा है। इससे कार्रवाई योग्य सूचनाओं, जांच के सुरागों और संभावित निशानों की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है, जिसके कारण सीमा, वित्तीय, साइबर और अंतरराष्ट्रीय तौरतरीकों को एक समन्वित दृष्टिकोण में एकीकृत करना आवश्यक हो गया है। इस वास्तविकता ने फेंटानिल के खतरे से निपटने के अमेरिकी कानून पर अमल के तरीके को बदल दिया है। एजेंसियां अब तेजी से मादक पदार्थों से जुड़े रसायनों की शृंखलाओं की पहचान करने, वित्तीय और माल आवाजाही नेटवर्क का मानचित्रण करने, डिजिटल संचार का विश्लेषण करने और अमेरिकी समुदायों तक मादक पदार्थों के पहुंचने से पहले तस्करी प्रणालियों को बाधित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। एचएसआई अधिकारी का कहना है, ह्लहमारा काम छिटपुट जब्ती करने के बजाय, व्यवस्थित रूप से उन संगठनों और मददगारों की पहचान करने और उन्हें खत्म करने पर केंद्रित है जो इनके पीछे हैं ह्व इस व्यवस्थित दृष्टिकोण को ह्लपता लगाओ और हराओह्व नामक विधायी प्रस्तावों का समर्थन प्राप्त है, जिनका उद्देश्य आपूर्ति शृंखला में डेटा एकत्र करने और साझा करने की अधिकारियों की क्षमता का विस्तार करना है। फेंटानिल की तस्करी के मुख्य मार्गों में प्रवेश बंदरगाह, अंतरराष्ट्रीय डाक और एक्सप्रेस खेपें और समुद्री सीमाए शामिल हैं। सीबीपी अधिकारी का कहना है, ह्लछिपाने के तरीके विविध हैं, जिनमें व्यक्तियों द्वारा वाहनों में गुप्त डिब्बों में छिपाना, वैध कार्गो के भीतर छुपाना या गलत लेबल वाले छोटे पार्सल में छुपाना शामिल है।

एचएसआई अधिकारी का कहना है, ह्लअंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन उन बिंदुओं पर सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं जहां उन्हें वैध प्रणालियों झ्र वैश्विक व्यापार, वित्त, यात्रा, संचार और वस्तुओं और लोगों की भौतिक आवाजाहीझ्र के साथ जुड़ना पड़ता है ह्व एजेंसी उभरती कमजोरियों की पहचान करने और जांच अधिकारियों, उन्नत विश्लेषण और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का उपयोग करके दबाव डालने के लिए इन अंतर-संबंधों का लगातार आकलन करती है। इस बीच सीबीपी आपूर्ति शृंखला में उच्च जोखिम वाले माल और यात्रियों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी, डेटा विश्लेषण और त्वरित जांच का लाभ उठाती है। सीबीपी अधिकारी का कहना है, ह्लयह फॉरवर्ड ऑपरेटिंग लेबोरेटरीज जैसी नवीन रणनीतियों का उपयोग करती है, जो त्वरित, ऑन-साइट प्रीकर्सर स्क्रीनिंग और फेंटानिल परीक्षण प्रदान करती हैं, जिससे पहचान का समय हफ्तों से घटकर मिनटों में आ जाता है ह्व इससे कानून प्रवर्तन कार्रवाई, खुफिया जानकारी संग्रह और मुकदमा चलाने में तेजी आती है। सीमा-पूर्व प्रवर्तन भी सीबीपी की रणनीति का एक केंद्रीय हिस्सा बन गया है। यह विदेशी सरकारों, निजी उद्योग भागीदारों और अग्रिम रूप से तैनात कर्मियों के साथ मिलकर अवैध नेटवर्क तक पहुंचने से पहले ही प्रीकर्सर रसायनों और उत्पादन उपकरणों को रोकने का काम करता है। इसके अतिरिक्त, सीबीपी का व्यापार कार्यालय वैध व्यापार मार्गों से प्रवेश करने वाले रसायनों और उपकरणों की खेपों को लक्षित करने के लिए आपूर्ति शृंखला की कमजोरियों का विश्लेषण करता है। अधिकारी का कहना है कि एचएसआई फेंटानिल प्रीकर्सर रसायनों को ह्लकेवल मादक पदार्थों का मुद्दा नहीं, बल्कि एक वैश्विक अवैध आपूर्ति शृंखला चुनौतीह्व के रूप में देखता है। उच्च जोखिम वाली गतिविधि की पहचान करने के लिए एचएसआई व्यापार डेटा, शिपिंग में माल लदान की जानकारियां, सीमा शुल्क घोषणाओं और वाणिज्यिक अभिलेखों का विश्लेषण करता है ताकि असामान्य रूटिंग पैटर्न, असंगत उत्पाद विवरण या कंपनी के घोषित व्यवसाय के अनुरूप न होने वाली बार-बार कम मात्रा की खेपों जैसी विसंगतियों का पता लगाया जा सके। वित्तीय जांच समानांतर रूप से चलती है, जिसमें बैंकों, शेल कंपनियों, मनी सर्विस व्यवसायों और व्यापार-आधारित योजनाओं के माध्यम से भुगतानों का पता लगाकर प्रीकसर्र रसायनों की खरीद में मदद करने वाले नेटवर्क की पहचान की जाती है। अधिकारियों का कहना है कि वैध उद्योग के साथ साझेदारी भी तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। एचएसआई रासायनिक उत्पादकों, वितरकों और लॉजिस्टिक्स फर्मों के साथ मिलकर संदिग्ध ऑर्डरों की पारदर्शिता में सुधार करने और संदिग्ध लेनदेन या ग्राहकों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करने के लिए काम करता है। चूंकि फेंटानिल का उत्पादन वैश्विक स्तर पर व्यापार किए जाने वाले रसायनों पर बहुत अधिक निर्भर करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग महत्वपूर्ण है। फार्मास्युटिकल और औद्योगिक रसायनों के प्रमुख उत्पादक और निर्यातक के रूप में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है। एचएसआई अधिकारी का कहना है, ह्लभारत सिंथेटिक दवाओं और प्रीकर्सर रसायनों के मामले में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। हमारा सहयोग एक साझा आपूर्ति शृंखला चुनौती के रूप में देखा जाता है। वैध रसायनों और विशेषज्ञता को अवैध फेंटानिल और अन्य सिंथेटिक दवाओं के उत्पादन में जाने से रोकने के लिए मिलकर काम करना। सहयोग को और गहरा करने के लिए एचएसआई ने व्यापार पारदर्शिता इकाइयों और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक जांच इकाइयों जैसी द्विपक्षीय पहलों का प्रस्ताव दिया है, जिनका उद्देश्य वास्तविक समय में सूचना साझाकरण में सुधार करना और अवैध आपूर्ति शृंखलाओं को संयुक्त रूप से लक्षित करना है। एचएसआई अधिकारी के अनुसार, ह्लघनिष्ठ साझेदारी, आपसी विश्वास और निरंतर सूचना साझाकरण के माध्यम से ही हम कृत्रिम मादक पदार्थों और प्रीकर्सर रसायनों से जुड़ी जटिल चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकते हैं। फेंटानिल के खिलाफ कार्रवाई प्रवर्तन शृंखला के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत एजेंसियों के बीच समन्वय पर बहुत अधिक निर्भर करती है। सीबीपी प्रवेश बंदरगाहों और व्यापार मार्गों पर अवैध खेपों की पहचान और उन्हें रोकने पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि एचएसआई जब्ती डेटा, वित्तीय रिकॉर्ड, खुफिया विश्लेषण और जांच संबंधी सुरागों का उपयोग करके उनके पीछे के आपराधिक नेटवर्क की पहचान और उन्हें नष्ट करता है।

घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक मदद की दरकार

भारत में लगभग घरेलू दायरे में हिंसा को घरेलू हिंसा कहा जाता है। किसी महिला का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना, जिसके साथ महिला के पारिवारिक सम्बन्ध हैं, घरेलू हिंसा में शामिल है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध महिला संरक्षण अधिनियम की धारा-2005 में घरेलू हिंसा को परिभाषित किया गया है।

डॉ. अंशुल उपाध्याय

देश में घरेलू महिलाओं को भी आर्थिक सबलता का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। वह महिलाएं जो नौकरीपेशा नहीं हैं और घर पर रहकर ही अपने बच्चों और परिवार के पोषण के लिए अपना सारा समय लगा देती हैं। उनकी व्यक्तिगत जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उनके पति द्वारा कुछ धनराशि प्रति माह प्राप्त होनी ही चाहिए। इससे न केवल महिलाओं को सबलता मिलेगी बल्कि घरेलू हिंसा के मामलों में भी कमी आएगी। भारत में लगभग घरेलू दायरे में हिंसा को घरेलू हिंसा कहा जाता है। किसी महिला का शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, मौखिक, मनोवैज्ञानिक या यौन शोषण किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाना, जिसके साथ महिला के पारिवारिक सम्बन्ध हैं, घरेलू हिंसा में शामिल है। घरेलू हिंसा के विरुद्ध महिला संरक्षण अधिनियम की धारा-2005 में घरेलू हिंसा को परिभाषित किया गया है। एक गैर सरकारी संस्था के मुताबिक, भारत में लगभग पांच करोड़ महिलाओं को अपने घर में ही हिंसा का सामना करना पड़ता है। इनमें से मात्र 0.1 प्रतिशत ही हिंसा के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने आगे आती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, भारत में विवाहित कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 31 प्रतिशत से 32 प्रतिशत के बीच है। 12 मई 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में 92 फीसद महिलाएं बिना मेहनताना लिए

घरेलू काम करती हैं। कुछ महिलाएं जो पढ़ी-लिखी हैं मगर नौकरीपेशा नहीं हैं उन्हें हर वक्त ये बात कचोटती तो अवश्य होगी की काश वो भी औरों की तरह अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए ही सही कुछ रुपये कमा सकतीं। चूंकि शिक्षा का व्यक्ति के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। और मानसिक विकास हो जाने के बाद व्यक्ति अपना अच्छा-बुरा स्वयं समझ पाता है। ऐसे में किसी मानसिक रूप से विकसित महिला का घर पर रहना कई बार उसकी मजबूरी होती है। कई बार बच्चों के पालन हेतु तो कई बार ससुराल वालों की सहमति से। और मन में चल रहे द्वंद्व का सामना जब महिलाएं नहीं कर पातीं तो डिप्रेशन, हाई बीपी, मधुमेह जैसे रोगों का शिकार हो जाती हैं। इसलिए अगर महिलाओं को सबल बनाना है तो जरूरी नहीं परिवार के दायित्व के साथ उन्हें नौकरीपेशा होने को मजबूर किया जाए। इस समस्या का समाधान है-घरेलू महिलाओं को प्रति माह उनके पति द्वारा कुछ धनराशि का प्रदान किया जाना। भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत से प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में जब हम भारत की महिलाओं को देखते हैं तब उनमें सशक्तिकरण केवल स्वयं रोजगार से जुड़ने पर नहीं आता अपितु उनके पास अगर कुछ मात्रा में धन रहे तो खुद ब खुद उस धन को किस तरह से अपने रोजमर्रा की आवश्यकताओं में खर्च करना है यह समझ महिलाओं में आ जाती है। देश में अधिकांश जगहों पर महिलाएं ग्रहणी है और अपना घर संभालती हैं। पर यह हमारी विडंबना है कि हमने अपने घर की महिलाओं को वित्त का अधिकार नहीं दिया ना ही वित्त संबंधी मामलों में हम घर की महिलाओं की सलाह लेते हैं। जबकि हमारी वित्तमंत्री जी स्वयं एक महिला हैं और वो भारत का बजट बनाती हैं।

दूसरी तरफ एक वह महिला है जो अपना घर चला रही है पर वह घर के बजट को सही तरीके से चला सकने में सक्षम नहीं है। हम बेटियों को पढ़ाते हैं। सब उन्हें सक्षम बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। फिर हम ये भूल जाते हैं की हमारी बेटी ही तो कल किसी और के घर की बहू बनेगी। अतः अपनी बेटी को हमेशा धन देते रहना और बहू को उससे वंचित रखना क्या ये सही है?

इसलिए देश में यह प्रावधान अवश्य ही होना चाहिए की विवाह के पश्चात यदि कोई महिला नौकरीपेशा नहीं है तो उसे उसके उसके पति से हर महीना कुछ धनराशि अवश्य प्रदान की जाए। इससे न केवल घरेलू महिलाएं अपनी जरूरत की चीजें खुद ले पाएंगी साथ ही घर की छोटी-छोटी चीजों के लिए उन्हें किसी और पर निर्भर नहीं होना होगा। यह उनके मानसिक स्वास्थ के साथ-साथ पारिवारिक शांति के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अनियंत्रित भीड़ ने बदली तीर्थ पर्यटन की मूल अवधारणा

तब तीर्थयात्राओं के लिए न्यूनतम सुविधाओं की आवश्यकता होती थी। तीर्थयात्रा साधना के समतुल्य मानी जाती थी। श्रद्धालु कठिनतम तीर्थ यात्रा करते थे। तब तीर्थयात्रा के संबंध में कहा जाता था- ·जितनी कठिन यात्रा, उतना ही उत्तम फल ·आज के दौर में मानव जीवन में व्यापारीकरण और भौतिकवाद बढ़ता चला जा रहा है। विलासप्रियता के चलते अब तीर्थ एवं धार्मिक पर्यटन में भी आनंद एवं आराम की चाहत होने लगी है। जिसके कारण तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन का मूल आधार तेजी से बदल रहा है। आधुनिक युग में तीर्थ भी ·सर्वसुविधायुक्त आनंददायक यात्रा· हो गई है। धर्मस्थलों की यात्रा का प्रेरक तत्व धर्म से अधिक देखादेखी, मौजमस्ती और सैर-सपाटा हो गया है।

प्रयाग पाण्डे

यूं तो विश्व में तीर्थाटन का इतिहास बहुत पुराना है। भारत में तीर्थ और पर्यटन का घनिष्ठ संबंध रहा है। यहां तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन की प्राचीन परंपरा है। प्राचीनकाल में पर्यटन की शुरूआत तीर्थाटन, व्यावसायिक एवं साहसिक यात्राओं से ही हुई थी। उस दौर में तीर्थयात्रा की भावना मन और विचारों की पवित्रता से जुड़ी थी। श्रद्धालु शांति की खोज, पापों के प्रायश्चित और निर्वाण के निमित्त तीर्थयात्रा करते थे। लोगों को तीर्थस्थलों में मानसिक शांति और आध्यात्मिक सुख की अनुभूति होती थी। तीर्थाटन को सांसारिक परेशानियों एवं चिंताओं से मुक्ति पाने का उपक्रम माना जाता था। तब तीर्थयात्राओं के लिए न्यूनतम सुविधाओं की आवश्यकता होती थी। तीर्थयात्रा साधना के समतुल्य मानी जाती थी। श्रद्धालु कठिनतम तीर्थ यात्रा करते थे। तब तीर्थयात्रा के संबंध में कहा जाता था- ·जितनी कठिन यात्रा, उतना ही उत्तम फल ·आज के दौर में मानव जीवन में व्यापारीकरण और भौतिकवाद बढ़ता चला जा रहा है। विलासप्रियता के चलते अब तीर्थ एवं धार्मिक पर्यटन में भी आनंद एवं आराम की चाहत होने लगी है। जिसके कारण तीर्थाटन एवं धार्मिक पर्यटन का मूल आधार तेजी से बदल रहा है। आधुनिक युग में तीर्थ भी ·सर्वसुविधायुक्त

आनंददायक यात्रा· हो गई है। धर्मस्थलों की यात्रा का प्रेरक तत्व धर्म से अधिक देखादेखी, मौजमस्ती और सैर-सपाटा हो गया है।

धर्म स्थलों में आस्था के नाम पर उमड़ने वाली अनियंत्रित भीड़ के कारण पारिस्थितिकी संतुलन गड़बड़ाने लगा है। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से वातावरण प्रदूषित हो रहा है। भीड़भाड़ और कोलाहलपूर्ण वातावरण से नाजुक पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। स्थानीय संसाधनों में अत्यधिक दबाव पड़ने लगा है। आए दिन लगने वाले वाहनों के लंबे जाम के कारण स्थानीय निवासियों की दैनंदिन की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित होने लगी हैं। आवागमन पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा है। धर्म स्थलों की वहन क्षमता से कई गुना अधिक लोगों के आने से धर्म स्थलों की पचाने की क्षमता क्षीण होने लगी है। यही हाल अनियंत्रित पर्यटन का है। इसने नैनीताल को हिलाकर रख दिया है।नैनीताल में इंसानों से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें - गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं।वाहनों की भीड़ के चलते सामान्य आवागमन बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर का कोई भी कोना यांत्रिक यातायात से निरापद नहीं है। दोपहिया-चौपहिया वाहनों की रेलमपेल में आम इंसान का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।

चकाचौंध कर देने वाले अल्पवधि के इस अनियंत्रित पर्यटन के कारण संवेदनशील एवं चैतन्य पर्यटकों का आगमन कम होने लगा है, जिससे टिकाऊ और लाभकारी पर्यटन प्रभावित हो रहा है। यह स्थापित सत्य है कि अनियंत्रित एवं अनियोजित पर्यटन से लाभ के बजाय हानि अधिक होती है। अल्पकालिक सैर-सपाटा पर्यटन से लाभ नहीं, बल्कि विशुद्ध हानि ही होती है।

ऐसे पर्यटन से भौतिक, पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कानून- व्यवस्था की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। यदि उत्तराखंड में पर्यटन उद्योग को टिकाऊ, दीर्घजीवी और लाभकारी बनाना है तो पर्यटकों की संख्या पर अंकुश लगाना आवश्यक है, भले ही वह धार्मिक या तीर्थ पर्यटन ही क्यों न हो।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संकटमोचन हनुमान को चढ़ाएं सरसों का तेल, खत्म होंगी हर समस्याएं

लो हनुमान जी की पूजा में चमेली के तेल और सिंदूर का प्रयोग किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शनिदेव की तरह हनुमान जी को भी सरसों का तेल अर्पित किया जाता है। बता दें कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। यह उपाय उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद होता है, जो शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से परेशान हैं। माना जाता है कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने से शनिदेव की भी कृपा मिलती है और बुरे प्रभावों को कम करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हनुमान जी को सरसों का तेल कब और कैसे अर्पित करना चाहिए।

कब और कैसे चढ़ाएं सरसों का तेल

मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाना सबसे उत्तम माना जाता है। क्योंकि मंगलवार का दिन हनुमान जी का है और शनिवार का दिन शनिदेव का है। ऐसे में इस दिन हनुमान जी को सरसों का तेल अर्पित करने से शनि की पीड़ा और जीवन में आने वाली अन्य समस्याओं का अंत होता है। मंगलवार या शनिवार के दिन सबसे पहले सुबह स्नान आदि करने के बाद साफ कपड़े पहनें। फिर पूजा के लिए हनुमान जी की मूर्ति लें और एक दीपक में सरसों का तेल लें। अगर संभव हो तो दीपक मिट्टी का ले लें। इसके अलावा थोड़ा सा तेल हनुमान जी के शरीर पर लगाएं। इस दौरान आप 'ॐ श्री हनुमते नमः' और 'ॐ हनुमते नमः' मंत्र का जाप करें। हनुमान जी को तेल अर्पित करने के बाद सुंदरकांड, बजरंग बाण या हनुमान चालीसा का पाठ करें। वहीं पूजा समाप्त होने के बाद चने और गुड़ का प्रसाद हनुमान जी को अर्पित करें।

हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने के लाभ

बता दें कि हनुमान जी को सरसों का तेल चढ़ाने के कई लाभ मिल सकते हैं। यह उपाय उन लोगों के लिए विशेषरूप से फायदेमंद साबित हो सकता है, जो शनि की महादशा, साढ़ेसाती या फिर ढैय्या से पीड़ित हैं। ऐसे में इस उपाय को करने से शनिदेव की क्रूर दृष्टि शांत होती है। वहीं यह उपाय जीवन में आने वाले दुखों, बाधाओं और परेशानियों को भी दूर करता है। माना जाता है कि हनुमान जी को सरसों का तेल अर्पित करने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है और जातक को सफलता, शक्ति और साहस मिलता है।

टिप्स

सर्दियों में हॉट कोको पीने मिलते हैं जबरदस्त

सर्दियों के मौसम में जैसे-जैसे तपमान गिरता है, ठंड भी बढ़ने लगती हैं। इस मौसम में शरीर धीमा हो जाता है और दिमाग भी थोड़ा सुस्त सा महसूस करता है। इस दौरान एक गर्म कप हॉट कोको केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि हेल्थ को बूस्ट करती है। कोको में मौजूद फ्लेवोनॉल्स, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और अन्य कंपाउंड्स इसे एक ऐसा ड्रिंक बनाते हैं जो शरीर और दिमाग दोनों को ही अंदर से एनर्जी प्रदान करता है। कई स्टडीज में पाया गया है कि हॉट कोको केवल एक चॉकलेट ड्रिंक नहीं, बल्कि मेटाबॉलिज्म, हार्ट हेल्थ, ब्रेन फंक्शन और ओवरऑल वेलनेस को सपोर्ट करने वाला एक नेचुरल टॉनिक है। कोको पाउडर को पानी में घोलकर पीने से मेटाबॉल्जिम सबसे बेहतर होता है। यह कॉलेस्ट्रॉल लेवल को सुधरता है और स्टेम सेल हेल्थ को भी सपोर्ट मिलता है। आप एक से दो चम्मच कोको पाउडर का सेवन कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कोको पाउडर ड्रिंक के फायदे।

कोको ड्रिंक पीने के फायदे

- ✔ शुद्ध कोको में फ्लेवोनॉल्स होते हैं,इसका सेवन करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। यह दिल की सेहत बेहतर करता है और स्टेम सेल सपोर्ट में मदद मिलती है।
- ✔ कोको ड्रिंक पीने से टोटल कोलेस्ट्रॉल कम होता है। इसे पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है।
- ✔ ब्लड ग्लूकोज को बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में मदद मिलती है।
- ✔ अगर आप नियमित रुप से कोको ड्रिंक पीते हैं, तो बॉडी कंपोजिशन बेहतर होगा, कमर की चर्बी भी कम होगी और ओवरऑल वेलनेस में सुधार आएगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

फरार आरोपी के घर इश्तहार चस्पा, हाजिर नहीं होने पर होगी कुर्की

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 15/26 के फरार अभियुक्त करण मंडल उर्फ करण कुमार पिता संजीव मंडल निवासी प्रेमनगर जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के घर पर गुरुवार को न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने ढोल-नगाड़ों के साथ इश्तहार चिपकाए पुलिस ने मुनादी कराते हुए आरोपी को निर्धारित समय के भीतर माननीय न्यायालय में उपस्थित होने की चेतावनी दी। बताया गया कि यदि अभियुक्त न्यायालय में हाजिर नहीं होता है। तो न्यायालय के आदेशानुसार उसके घर की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि थाना कांड संख्या 15/26 का अभियुक्त काफी समय से फरार चल रहा है। माननीय न्यायालय के आदेश के आलोक में उसके घर पर इश्तहार चस्पा किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करने पर अगले चरण में न्यायालय के निदेर्शानुसार कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

न्यायालय के आदेश पर फरार आरोपियों के घर चिपकाया गया इश्तेहार

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में फरार आरोपियों के घर इश्तहार चिपकाय कर किया। इस संबंध में थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या 60/2024 में मदनसाही निवासी उमेश सिंह एवं सीमा देवी के आवास पर ढोल-नगाड़े के साथ इश्तहार चस्पा कर न्यायालय में निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने का निर्देश दिया। पुलिस ने बताया कि यदि आरोपी निर्धारित समय के भीतर न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं।तो न्यायालय के आदेशा नुसार उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के आरोप में युवक गिरफ्तार

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के पटनिया टोला निवासी प्रिंस कुमार को एक विशेष धर्म के विरुद्ध कथित रूप से आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक विशेष धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने की शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।

झारखंड कृषि व्यापार मेले का हुआ समापन

रांची : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीख पी ने झारखंड की कृषि व्यवस्था में संरचनात्मक सुधारों और दीर्घकालिक विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कृषि क्षेत्र में सतत विकास, प्रभावी नीति क्रियान्वयन और किसानों तक योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने के लिए मजबूत सहायता तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कृषि सचिव गुरुवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित झारखंड कृषि व्यापार मेला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। समारोह में राज्य के कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य, उद्यान एवं डेयरी विकास क्षेत्रों में हुई प्रगति और उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ, विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।

कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने कहा कि कृषि विकास की गति बनाए रखने के लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार से जोड़ने, आधुनिक कृषि उपकरणों की उपलब्धता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कृषि आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

समापन समारोह के दौरान कृषि, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य पालन, उद्यान एवं डेयरी विकास से जुड़े शीर्ष नेतृत्व और विशेषज्ञों को उनके रणनीतिक योगदान तथा क्षेत्र के विकास में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। मेले के दौरान विभिन्न कृषि श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन, नवाचार और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेताओं को सम्मानित कर कृषि क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इन क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों के कारण राज्य में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

कार्यक्रम का सांस्कृतिक पक्ष भी आकर्षण का केंद्र रहा। समेती (राज्य स्तरीय कृषि प्रबंधन, प्रसार सह प्रशिक्षण संस्थान), झारखंड के निदेशक विकास कुमार द्वारा प्रस्तुत जीवंत नागपुरी गीत ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। संस्कृति और परंपरा से जुड़ी इस प्रस्तुति ने समारोह को उत्साहपूर्ण और यादगार बना दिया।

दिवंगत कृषि वैज्ञानिक डॉ एससी प्रसाद को मिला विशेष सम्मान

रांची : राजधानी रांची में आयोजित तीन दिवसीय झारखंड कृषि व्यापार मेला में प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं हजारीबाग के इचाक निवासी दिवंगत डॉ सतीश चन्द्र प्रसाद (डॉ एससी प्रसाद) को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। मेले के मुख्य मंच पर उनकी तस्वीर को प्रमुख स्थान देकर कृषि अनुसंधान एवं बीज विकास के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया।

डॉ एससी प्रसाद के परिजनों ने इस सम्मान के लिए झारखंड सरकार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की तथा आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और संबंधित व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

डॉ सतीश चन्द्र प्रसाद ने अपना संपूर्ण जीवन कृषि अनुसंधान, कृषि विकास तथा नई बीज किस्मों की खोज को समर्पित किया था। विशेष रूप से धान (चावल) की ऐसी 52 उन्नत किस्मों के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा, जो कम पानी में अधिक उपज देने में सक्षम हैं। इन किस्मों को न केवल झारखंड और भारत बल्कि विश्व के पठारी क्षेत्रों के किसानों के लिए भी उपयोगी माना जाता है। परिजनों ने कहा कि मेले के मुख्य मंच पर डॉ. प्रसाद की तस्वीर को स्थान मिलना केवल उनके परिवार या इचाक गांव के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे हजारीबाग जिले और झारखंड राज्य के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान कृषि वैज्ञानिकों, शोधकताओं और किसानों को कृषि विकास के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा देगा।

एनीमिया दिवस पर जागरूकता अभियान, पीड़ितों ने सरकार से रखीं कई मांगें

रांची : विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस की पूर्व संध्या पर ह्ललहू बोलेगाह्व रक्तदान संगठन रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन के संयुक्त नेतृत्व में रांची जिला स्कूल मैदान में जनजागरूकता अभियान एवं अपीलीय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया एवं अन्य रक्त विकारों से पीड़ित मरीजों और उनके परिजनों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता संजय टोप्पो ने की। इस वर्ष विश्व सिकल सेल एनीमिया दिवस की थीम ह्लजीवन रक्षा का अंतर कम करनाः सिकल सेल रोग में समानताह्व पर चर्चा करते हुए संस्थापक रक्तवीर नदीम खान ने सिकल सेल रोग की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और रोगियों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्वीकृत सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक है : उपायुक्त

रिक्त पदों पर नियुक्ति तीन माह के भीतर पूर्ण करने और केंद्र निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त -सह -जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समाज कल्याण विभाग की विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं निमार्णाधीन भवनों सेविका-सहायिका नियुक्ति पोषण ट्रैकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।बैठक के प्रारंभ में उपायुक्त ने जिले में हाल ही में नियुक्त महिला पर्यवेक्षिकाओं से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें आवंटित प्रखंड एवं सेक्टर की जानकारी ली। जिन महिला पर्यवेक्षिकाओं को अब तक सेक्टर आवंटित नहीं किया गया है, उनके लिए दो दिनों के भीतर सेक्टर आवंटित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।उपायुक्त ने सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं को अपने-अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित भ्रमण करने तथा केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया । उन्होंने विशेष रूप से पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति भवन की स्थिति, सेविका एवं सहायिका की नियुक्ति रिक्त पदों की स्थिति व सेविका-सहायिकाओं के सेवानिवृत्ति संबंधी मामलों पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

जबकि नव निर्मित आंगनबाड़ी भवनों में वर्तमान में किराये के भवनों में संचालित केंद्रों के स्थानांतरण की समीक्षा की गई। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने अवगत कराया कि जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों के निकट स्थित लगभग 390 विद्यालयों को चिन्हित किया गया है। जहां किराये के भवनों एंव जजर्र भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को स्थानांतरित किया जा सकता है। उपायुक्त ने महिला पर्यवेक्षिकाओं को निर्देशित किया कि वे संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालय परिसरों का स्थलीय निरीक्षण कर वस्तुस्थिति से अवगत हों और शीघ्र प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं, ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण में सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।बैठक में प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए कहा कि स्वीकृत सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को विभागीय एवं अन्य मदों से संचालित निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्यों में गति लाने का निर्देश दिया।आंगनबाड़ी केंद्र भवनों में विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी केंद्रों में बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही पेयजल एवं शौचालय सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला पर्यवे क्षिकाओं को निर्देशित किया कि जिन केंद्रों में इन मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, उनका प्रतिवेदन तत्काल उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।प्रधानमंत्री जनमन के तहत नव स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका चयन एवं सामान्य स्वीकृत केंद्रों में सेविका-सहायिका नियुक्ति की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया आगामी तीन माह के भीतर पूर्ण कर ली जाए, ताकि लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो सके।बैठक में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सेविका-सहायिका मानदेय भुगतान, पोषण ट्रैकर एसबीएचए आईडी प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा कोताही न बरती जाए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए। पोषण ट्रैकर के अंतर्गत नए गंभीर कुपोषित एसएएम बच्चों के की समीक्षा के दौरान अपेक्षाकृत कम प्रगति पर उपायुक्त ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान, एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि कुपोषण उन्मूलन के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सके।उपायुक्त ने कहा कि समाज कल्याण विभाग की सभी योजनाएं समाज के जरूरतमंद वर्गों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु संचालित की जा रही हैं। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मी पूर्ण संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए-सह-प्रभारी जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिकाएं व संबंधित विभागों के कर्मी उपस्थित थे।

हाईकोर्ट में 500-400 मीटर नियम पर सुनवाई टली, 30 जुलाई को अगली तारीख

प्रदूषण बोर्ड ने मांगा 4 हफ्ते का समय

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड में पत्थर कारोबार की किस्मत का फैसला गुरुवार को अपराह्न 2:15 बजे होना था,लेकिन अंतिम आदेश पारित नहीं हो सका ।झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा जिसे हाईकोर्ट की मुख्य खंडपीठ ने स्वीकार कर लिया.अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी.मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने 16 अप्रैल को दिए अंतरिम आदेश पारित कर कहा था कि वन भूमि की सीमा से पत्थर खन के लिए 500 मीटर और स्टोन क्रशर लगाने के लिए 400 मीटर की न्यूनतम दूरी अनिवार्य होगी. प्रदूषण बोर्ड ने 2015 और 2017 में इस दूरी को घटाकर 250 मीटर कर दिया था,जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था. यह नियम राज्य के सभी 24 जिलों पर लागू होगा।अंतरिम आदेश के बाद से पत्थर-क्रशर उद्योग में हड़कंप मचा है.कारोबारियों का कहना है कि यदि फैसला बरकरार रहा तो सैकड़ों खन पट्टे और क्रशर लाइसेंस रद्द हो जाएंगे.अरबों का निवेश डूबने,हजारों मजदूरों के बेरोजगार होने और गिट्टी के दाम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है.इसका सीधा असर निर्माण क्षेत्र पर पड़ेगा.वहीं पर्यावरण प्रेमियों ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया है।चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता सह पर्यावरण प्रेमी सैयद अरशद नसर ने इसे झारखंडवासियों की ऐतिहासिक जीत बताया उन्होंने कहा कि यह फैसला वन संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा और जल,वायु तथा ध्वनि प्रदूषण पर दीर्घकालिक नियंत्रण मिलेगा.हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश में सभी पक्षों को 12 जून तक अपना पक्ष रखने की छूट देते हुए अंतिम आदेश के लिए 18 जुन की तारीख निर्धारित की थी.निर्धारित तिथि पूरी होने के बाद गुरुवार को सुनवाई हुई,लेकिन प्रदूषण बोर्ड के द्वारा समय मांगने से आदेश टल गया.सुनवाई की तिथि आगे बढ़ने से सरकार और खदान-क्रशर कारोबारियों ने राहत की सांस ली,जबकि पर्यावरण कार्यकताओं में मायूसी देखी गई.अब सबकी निगाहें 30 जुलाई की सुनवाई पर टिकी हैं.हाईकोर्ट यदि 16 अप्रैल के अंतरिम आदेश को बरकरार रखता है तो राज्य के सैकड़ों स्टोन खदान और क्रशर पर ताला लगना तय माना जा रहा है।

शिविर समाज के समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंज : समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने उन्हें सम्मानपूर्वक व आत्मनिर्भर जीवन जीने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से शिविर के अंतिम दिन प्रखंड कार्यालय बरहेट में एडीआईपी व राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत विशेष पंजीकरण व लाभार्थी चयन शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के दौरान दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों की आवश्यकताओं का आकलन कर कुल 11 लाभार्थियों का चयन किया गया। इनमें 10 दिव्यांगजन 1 वरिष्ठ नागरिक 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग शामिल हैं। चयनित लाभार्थियों को उनकी शारीरिक आवश्यकताओं के अनुरूप विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे जिससे वे दैनिक जीवन की गतिविधियों को अधिक सहजता आत्मविश्वास के साथ संपादित कर सकें।शिविर में मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल ट्राईसाइकिल स्मार्ट केन व्हीलचेयर सीपी चेयर एल्बो क्रच, एक्सिला क्रच, नी-ब्रेस एल.एस. ब्रेस कमोड चेयर एवं वॉकिंग स्टिक जैसे सहायक उपकरणों हेतु लाभार्थियों का चयन किया गया। ये उपकरण दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की गतिशीलता बढ़ाने, उनकी निर्भरता कम करने तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र दिव्यांगजन अथवा वरिष्ठ नागरिक आवश्यक सहायक उपकरणों के अभाव में कठिनाइयों का सामना न करे। ऐसे शिविर समाज के संवेदनशील व समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। जो लाभार्थियों को आत्मसम्मान, सुरक्षा एवं स्वालंबन के साथ जीवन जीने का अवसर प्रदान करते हैं।

बिजली को लेकर ग्रामीणों ने किया सड़क जाम पुलिस ने हटाया

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के सतगाछी पंचायत अंतर्गत श्यामपुर कुकुर डुब्बा गांव में बिजली व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त और चरमराई हुई है।जिससे ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है।परेशान होकर ग्रमीणों ने सड़क जाम कर दिया।ग्रामीणों के अनुसार,पिछले 10 से 12 दिनों से गांव में बिजली पूरी तरह बाधित रही जिससे गाँव में स्थित करीब 70 घर अंधेरे में डूबे रहे। बिजली नहीं रहने की वजह से बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के साथ साथ सुरक्षा भी बुरी तरह प्रभावित हुई है।जिससे लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रमीणों के कोशिशों के बाद बाद 25 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया।लेकिन ट्रांसफार्मर लगने के बाद भी गांव के सभी घरों तक बिजली सही तरीके से नहीं पहुंच पा रही है।जबकि बिजली विभाग के कर्मचारियों को उसी वक़्त समाधान करने की आवश्यकता थी परन्तु ऐसा नहीं हुआ। समस्या से नाराज और आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था। जिसके बाद बरहरवा थाना पुलिस की मौके पर पहुँची पुलिस की पहल पर ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम को हटवाया गया। वहीं बरहरवा बिजली विभाग के एसडीओ सत्यम मरांडी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है। कि 2 दिनों के अंदर इस समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है

आम उत्सव-सह-बागवानी मेला में महिला किसानों की सहभागिता बनी आकर्षण का केंद्र

संवाददाता

साहिबगंज : ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के समन्वित प्रयास से प्रखंड मंडरो में आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख श्रीमती शीला देवी द्वारा फीता काटकर किया गया।मेले में प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से आई महिला किसानों ने मनरेगा अंतर्गत संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत उत्पादित आम की विभिन्न उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण किस्मों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में स्थानीय उत्पादों की विविधता, गुणवत्ता एवं किसानों की मेहनत ने सभी आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।इस अवसर पर सखी मंडलों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। पंचायत तेतरिया, सिमरा, बच्चा, खैरवा, बसहा, दामिनभिट्टा एवं गडरा की बिरसा हरित ग्राम योजना से लाभान्वित महिला किसानों ने अपने बागवानी उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए योजना से प्राप्त लाभ एवं अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान बीपीओ अभिषेक आनंद ने प्रखंड प्रमुख का स्वागत करते हुए उपस्थित जनसमुदाय को बिरसा हरित ग्राम योजना की उपलब्धियों एवं मनरेगा के सफल समन्वय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लाभुकों को इस महत्वाकांक्षी योजना से जोड़ने तथा बागवानी आधारित आजीविका को बढ़ावा देने के लिए सभी को प्रेरित किया।प्रखंड प्रमुख श्रीमती शीला देवी ने महिला किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। उन्होंने किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, पंचायत सचिव दयानंद प्रसाद, संतोष हेम्ब्रम, निकोलस मरांडी सहित जेएस एलपीएस की पूरी टीम, ग्रामीण किसान एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अंतिम मिनटों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग में 2-1 से हराया

एजेंसी

रॉटरडैम : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2025-26 के रॉटरडैम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरूआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कॉर्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कॉर्नर मिला, जिसे याकॉब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

भारतीय टीम को बड़ा झटका, श्रेयंका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल दाएं टखने में चोट के कारण पूरे टूनार्मेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयंका को बुधवार को हेडिंग्ले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप चरण मुकाबले के दौरान चोट लगी। पावरप्ले के अंतिम ओवर में गेंद रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूनार्मेंट की तकनीकी समिति ने शुक्रवार को श्रेयंका के स्थान पर 24 वर्षीय प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। प्रेमा रावत अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सकी हैं, लेकिन घरेलू और महिला प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकताओं का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पिछले दो सत्रों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह महिला प्रीमियर लीग मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी प्रेमा ने उत्तराखंड को वरिष्ठ महिला चैम्पियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें एक स्वाभाविक ऑलराउंड खिलाड़ी माना जाता है, जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी योगदान दे सकती हैं। हालांकि, श्रेयंका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी तेज क्षेत्ररक्षण क्षमता के अलावा वह विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों और अंतिम ओवरों में भारत की आक्रामक गेंदबाजी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तकनीकी समिति में आईसीसी और मेजबान प्रतिनिधियों की मंजूरी के बाद ही यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू किया गया।

सिक्किम के 'क्लाइमेट-फर्स्ट' मॉडल की फैन हुई भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर राज्य पर्यटन विभाग के बुलावे पर सिक्किम के तीन दिन के दौरे पर गईं। उन्होंने वहां के पर्यावरण-अनुकूल सोच से गहरा जुड़ाव महसूस किया। अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि सिक्किम की सस्टेनेबिलिटी, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार विकास के प्रति प्रतिबद्धता से दूसरे राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे सबसे अच्छा लगा कि सिक्किम जलवायु और पर्यावरण को प्राथमिकता देने वाला एक 'ग्रीन स्टेट' है। मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, जिसका जीवन सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित है, राज्य की ये सभी बातें बहुत मायने रखती हैं। सिक्किम धरती का स्वर्ग है और इसकी प्राकृतिक सुंदरता ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'आप लोग बहुत भाग्यशाली हैं, जो इस स्वर्ग में रहते हैं। मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई ऐसा नजारा देखा जिससे मैं हैरान न हुई हूं। नाथुला यात्रा के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि इस अनुभव ने उनके मन में भारतीय सशस्त्र बलों के बलिदानों के प्रति सम्मान को और भी बढ़ाया है। उन्होंने कहा, 'मैं एक देशभक्त इंसान हूं और सीमा पर जाने को लेकर बहुत उत्साहित थी। वहां जाने के बाद एहसास होता है कि हमारे सशस्त्र बल हमारे लिए कितना कुछ करते हैं और हम बदले में कितना कम करते हैं।

राजकुमार हिरानी ने संवारा मेरा करियरः अरशद

अभिनेता अरशद वारसी और फिल्मकार राजकुमार हिरानी ने पिछले दो दशकों में साथ मिलकर कई यादगार प्रोजेक्ट दिए हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। अब एक बार फिर यह जोड़ी नए प्रोजेक्ट 'प्रीतम और पेड्रो' के जरिए साथ आ रही है। इस खास मौके पर अरशद वारसी ने राजकुमार हिरानी के साथ अपने रिश्ते, अपने करियर पर उनके प्रभाव और आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर आईएएनएस से खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए अरशद वारसी ने कहा, '''प्रीतम एंड पेड्रो' मेरे लिए सिर्फ एक और प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि इससे कई भावनाएं जुड़ी हुई हैं। मुझे राजकुमार हिरानी के साथ काम करना हमेशा से बेहद पसंद रहा है। वह उन लोगों में से हैं जिन्होंने मेरे करियर को संवारने में बड़ी भूमिका निभाई। एक तरह से उन्होंने मेरे करियर की शुरुआत करवाई थी और बाद में जब मुझे नए मौकों की जरूरत थी, तब भी हिरानी ने मेरा साथ दिया। यही वजह है कि मैं हमेशा उनके प्रति आभार महसूस करता हूं।'' ईएएनएस से बातचीत के दौरान अरशद ने एक बेहद दिलचस्प और भावुक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''इस प्रोजेक्ट में काम करते समय मुझे बार-बार एक बात याद आती रही कि जिस छोटे बच्चे (वीर हिरानी) को मैंने कभी अपनी गोद में खिलाया था, आज उसी के साथ मैं कैमरे के सामने एक्टिंग कर रहा हूं हैं। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि समय इतनी तेजी से बीत जाएगा और एक दिन ऐसा आएगा जब उस बच्चे के साथ पर्दे पर नजर आऊंगा। अपने किरदार पेड्रो के बारे में बात करते हुए अरशद ने कहा कि यह उनके करियर के सबसे अनोखे किरदारों में से एक है। उन्होंने कहा, ''पेड्रो एक ऐसा इंसान है जिसकी सोच, व्यवहार और व्यक्तित्व आम लोगों से काफी अलग है। वास्तविक जीवन में मुझे अभी तक पेड्रो जैसा कोई व्यक्ति नहीं मिला। दर्शकों को जब यह किरदार देखने का मौका मिलेगा, तब वे समझ पाएंगे कि आखिर यह भूमिका इतनी खास क्यों है। इस किरदार को निभाने का अनुभव बेहद मजेदार और चुनौतीपूर्ण था।''

प्रियंका चोपड़ा के

दिल को छू गई फिल्म 'मां बहन'

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा भारतीय सिनेमा और कलाकारों की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए हालिया रिलीज माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी और धारणा दुर्गा स्टारर फिल्म 'मां बहन' की जमकर सराहना की। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने न सिर्फ फिल्म की जमकर सराहना की, बल्कि फिल्म के सभी कलाकारों और निर्देशक के काम की भी तारीफ की। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड की 'धक-धक गर्ल' माधुरी दीक्षित की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मेरी क्वीन माधुरी दीक्षित आप हमेशा और शानदार अभिनय से सबका ध्यान अपनी ओर खींचने वाली तृप्ति डिमरी ने तो कमाल का काम किया। दोनों को पर्दे पर एक साथ देखना बेहद शानदार अनुभव रहा। धारणा, मैं हमेशा से आपकी प्रशंसक रही हूं और आगे आप क्या नया लेकर आने वाली हैं, इसे देखने का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने धारणा की तारीफ करते हुए लिखा, 'आप इसी तरह बेहतरीन काम करते रहिए। सबसे खास बात यह है कि यह प्रोजेक्ट बहुत ईमानदार और सिनेमाई अंदाज में बनाया गया है। यह बहुत ही शानदार और समझदारी से बनाई गई फिल्म है। इसकी कहानी तेज, मजेदार और बेहतरीन तरीके से पेश की गई है। सुरेश त्रिवेणी की सोच और विजन बेहद खूबसूरत है। पूरी टीम को इस शानदार काम के लिए बहुत-बहुत बधाई। सुरेश त्रिवेणी द्वारा निर्देशित फिल्म को दर्शकों

पान मसाला विज्ञापन मामले में

सलमान को राहत

अभिनेता सलमान खान पान मसाला विज्ञापन मामले को लेकर कानूनी पचड़े में फंसे है। हालांकि, फिलहाल उन्हें थोड़ी राहत मिल गई है। इस मामले में बॉलीवुड एक्टर को थोड़ी राहत देते हुए नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन ने उनके खिलाफ डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर कमीशन में चल रही कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह मामला कथित तौर पर गुमराह करने वाले पान मसाला विज्ञापन से जुड़ी एक शिकायत का है।

देश की ताकत पर अमिताभ बच्चन का जोश भरा बयान, कहा-

'भारत अब नाजुक नहीं, मजबूत और ताकतवर हैं'

ब्लॉग पर शेयर किए अपने विचार

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर इस बारे में लिखा और बताया कि उन्हें देश के लिए एक बहुत ही शानदार शब्द मिला है। उन्होंने लिखा, 'मुझे एक बहुत ही अच्छा वाक्य मिला- 'इंडिया एंटी-फ्रैजाइल'... बेहद शानदार... अब भारत को एक नरम और कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता। 81 साल के अभिनेता इस बात से बेहद खुश हैं कि अब देश को कमजोर नहीं माना जाता। उन्होंने आगे लिखा, 'हम अब कमजोर नहीं हैं- नाजुक नहीं, आसानी से टूटने वाले नहीं, आसानी से खत्म होने वाले नहीं, आसानी से डरने वाले नहीं। हम मजबूत हैं और ताकतवर हैं। अब हमें एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता...गर्व से भरे हुए... सिर ऊंचा, सीना तानकर।'

अमिताभ बच्चन इस समय फिल्ममेकर नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में व्यस्त हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे। बॉलीवुड के शहंशाह और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि अब भारत को एक कमजोर और नरम देश के रूप में नहीं देखा जाता। उन्होंने इंडिया एंटी-फ्रैजाइल जैसे शब्द को बेहद शानदार बताया।

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को 'खाली पन्ने' की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं, ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं।

औद्योगिक हब बनने की राह पर मीरजापुर, 80 इकाइयों से 5 हजार युवाओं को मिला रोजगार

✔ 1,734 करोड़ के निवेश से बदली जिले की तस्वीर, 20 नई इकाइयां जल्द शुरू करेंगी उत्पादन

एजेंसी

मीरजापुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासोन्मुखी नीतियों के चलते मीरजापुर में औद्योगिक विकास तेजी से गति पकड़ रहा है। कभी पिछड़े जिलों में गिने जाने वाले मीरजापुर में अब निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से निवेश करने वाली 80 औद्योगिक इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है, जिससे जिले के आर्थिक परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र (डीआईसी) के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि इन 80 इकाइयों ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 1,734 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इन उद्योगों के संचालन से 5,238 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जबकि 10 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। इससे न केवल युवाओं का पलायन रुकेगा बल्कि जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों में 104 परियोजनाओं को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए चयनित किया गया था। इनमें से 80 इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है, जबकि 20 औद्योगिक इकाइयां निमार्णाधीन हैं और उनके संचालन के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। शेष चार इकाइयों की स्थापना संबंधी प्रक्रियाएं भी पूरी हो चुकी हैं और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा।

उपायुक्त ने बताया कि सभी 104 इकाइयों के पूरी तरह संचालित होने पर लगभग 13,822 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है।

जल्द शुरू हो सकता है

युद्ध स्तर पर किया जा रहा निवेशकों की समस्याओं का समाधान

इन्वेस्ट यूपी के रिलेशनशिप मैनेजर अखिलेश कुमार तिवारी ने बताया कि जिले में उत्पादन शुरू करने वाली प्रमुख इकाइयों में लालगंज स्थित मेसर्स ब्रजदेव इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड का 250 करोड़ रुपये की लागत वाला इथेनॉल प्लांट शामिल है। इसके अलावा मेसर्स अपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा 325 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल की स्थापना की गई है। चुनार में अपोलो पाइप लिमिटेड द्वारा पीवीसी पाइप निर्माण इकाई संचालित की जा रही है, जबकि दोहा क्षेत्र में महामाया इस्पात ने 151 करोड़ रुपये की लागत से स्टील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया है। वहीं ब्रिंजल ग्रीन एनर्जी द्वारा 50 करोड़ रुपये की लागत से कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) प्लांट शुरू किया गया है। सगरा स्थित मां अन्नपूर्णा एग्रो की इकाई में धान की भूसी से तेल का उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

अडानी समूह का थर्मल पावर प्लांट

संदीप कुमार ने बताया कि मड़िहान क्षेत्र में अडानी समूह द्वारा लगभग 18,300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा थर्मल पावर प्लांट भी जल्द शुरू होने की संभावना है। यह परियोजना मीरजापुर के औद्योगिक विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होने के साथ प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

यूपी एटीएस ने पाकिस्तानी गैंगस्टर से जुड़े दो संदिग्धों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

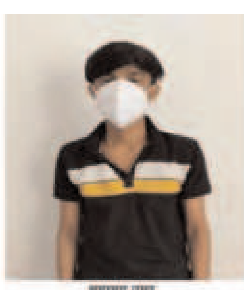

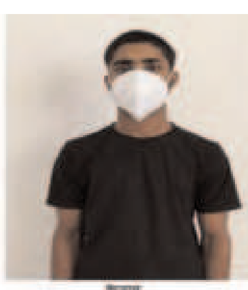

बुलंदशहर/लखनऊ : उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वॉयड (एटीएस) ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल दो संदिग्धों को बुलंदशहर से गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तार अभियुक्त सोशल मीडिया के माध्यम से स्लीपर सेल तैयार करने, भय एवं आतंक का माहौल उत्पन्न करने का प्रयास करने तथा संवेदनशील स्थलों की रेकी जैसी गतिविधियों में संलिप्त थे। अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून व्यवस्था अमिताभ यश ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी एवं आबिद जट्ट के आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में उत्तर प्रदेश एटीएस ने बुलन्दशहर से इस नेटवर्क से जुड़े दो अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए संदिग्धों की पहचान बुलंदशहर के ग्राम अकबरपुर निवासी मोहम्मद उमर और फैजान के रूप में हुई है। एटीएस की शुरूआती जांच और इनपुट के अनुसार, ये दोनों आरोपित बुलंदशहर में पहचान छुपाकर 'स्लीपर सेल' के रूप में रह रहे थे। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि ये दोनों सीधे तौर पर पाकिस्तानी आतंकवादी शहजाद भट्टी और हैंडलर्स आबिद जट के संपर्क में थे। आरोपितों को पाकिस्तानी डॉन आबिद जट्ट के पोस्टर बुलंदशहर के कई इलाकों में लगाने और उनके वीडियो बनाकर भेजने का काम दिया गया था। इसके बदले उन्हें रुपये मिलने थे। इनका मकसद लोगों में डर और दहशत का माहौल बनाना था। दोनों को आर्मी कैंट जैसी संवेदनशील जगहों की रेकी का भी टास्क दिया गया था। आरोपितों के पास से आबिद जट्ट के पोस्टर, पोस्टर लगाते समय बनाए गए वीडियो और अन्य डिजिटल सबूत मिले हैं। एटीएस और सुरक्षा जांच एजेंसी दोनों आरोपितों से आगे की पूछताछ कर रही है। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इन दोनों संदिग्धों को पाकिस्तान से क्या निर्देश मिल रहे थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इनके नेटवर्क से और कौन-कौन से लोग जुड़े हुए हैं। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

री-नीट से पहले भीलवाड़ा में पेपर माफिया बेनकाब, टेलीग्राम पर चार हजार में बिक रहा था फर्जी प्रश्नपत्र

एजेंसी

भीलवाड़ा : री-नीट परीक्षा से महज तीन दिन पहले भीलवाड़ा में पुलिस ने फर्जी पेपर बेचने वाले एक छात्र को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। आरोपित टेलीग्राम चैनल बनाकर अभ्यर्थियों को असली पेपर के नाम पर फर्जी प्रश्नपत्र बेच रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल फोन, नीट की किताब और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस आरोपित के बैंक खातों, नेटवर्क और ठगी के शिकार छात्रों की जानकारी जुटा रही है। भीलवाड़ा पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित 19 वर्षीय आकाश चौधरी है, जिसे गुरुवार मध्य रात करीब एक बजे शहर के पटेल नगर स्थित उसके घर से पकड़ा। आकाश वर्तमान में जयपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। जांच में सामने आया कि उसने टेलीग्राम पर ह्यपेपर माफियाह्ल नाम से चैनल बना रखा था, जिसके 52 सदस्य जुड़े हुए थे।

आरोपित अभ्यर्थियों को री-नीट परीक्षा का पेपर उपलब्ध कराने का झांसा देकर प्रत्येक पेपर के लिए चार-चार हजार रुपये वसूल रहा था। भुगतान के लिए वह क्यूआर कोड भेजकर अपने बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करवाता था। प्रताप नगर थाना प्रभारी सुनील ताड़ा ने बताया कि भारत सरकार के एस-मेक पोर्टल के माध्यम से एसपी कार्यालय की विशेष शाखा को सूचना मिली थी कि सोशल मीडिया पर कोई व्यक्ति पेपर लीक के नाम पर संदिग्ध गतिविधियां संचालित कर रहा है। साथ ही डीएसटी को भी इनपुट मिला कि पटेल नगर स्थित एक मकान में रहने वाला युवक ऑनलाइन माध्यम से री-नीट परीक्षा का फर्जी पेपर बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने देर रात दबिश देकर आकाश चौधरी को हिरासत में लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित टेलीग्राम चेनल के जरिए संगठित तरीके से फजीर्वाड़ा कर रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित अपनी पहचान छिपाने के लिए अमेरिका आधारित वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क और प्रॉक्सी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहा था। इसी माध्यम से वह टेलीग्राम अकाउंट संचालित कर अभ्यर्थियों से संपर्क करता था।

कांग्रेस के आगामी 'ट्रेनिंग कैंप' में बघेल सिखाएं लगातार चुनाव हारने का हुनर : भूपेश बघेल

एजेंसी

रायपुर : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने झारखण्ड राज्यसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कांग्रेस का बंटाधार बताया हैं। ठोकने ने गुरुवार की देर रात एक बयान जारी कर कहा कि झारखण्ड में एनडीए समर्थित प्रत्याशी परिमल नथवानी की शानदार जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और एनडीए के साथ है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठोकने ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को इस ऐतिहासिक सफलता के लिए कोटि-कोटि बधाई देते हुए कहा कि यह चुनाव छत्तीसगढ़ के लिहाज से बेहद दिलचस्प था, क्योंकि यहाँ के दो धुर राजनीतिक चेहरे झारखण्ड में अपने-अपने दलों के प्रभारी के रूप में तैनात थे। एक तरफ भाजपा और एनडीए प्रत्याशी को जिताने की कमान उपमुख्यमंत्री शर्मा के हाथों में थी, तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी की नैया पार लगाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को मोर्चे पर उतारा था। आज नतीजों ने साफ कर दिया कि श्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में एनडीए का कुनबा और मजबूत हुआ है और भूपेश के नेतृत्व में कांग्रेस का हर जगह बंटाधार हुआ हैं। ठोकने ने भूपेश के चुनावी हार के ट्रैक रिकॉर्ड रिकॉर्ड को राहुल गांधी के समतुल्य बताते हुए उनकी सराहना की कहा अपने नेता का अनुसरण ऐसे ही किया जाता हैं। बघेल चाहे मुख्यमंत्री रहते हुए किसी राज्य में चुनाव प्रचार या प्रबंधन में गए हों, या फिर पूर्व मुख्यमंत्री के तौर पर; जहाँ-जहाँ उनके कदम पड़े हैं, वहाँ-वहाँ कांग्रेस का पूरी तरह से बंटाधार हुआ है। झारखण्ड के राज्यसभा चुनाव में भी कांग्रेस के प्रभारी के रूप में उन्हें सिर्फ और सिर्फ हार का सामना करना पड़ा है। ठोकने ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस द्वारा जल्द ही आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण शिविर (ट्रेनिंग कैंप) को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस को इस शिविर के एजेंडे में एक नया विषय समाहित कर 'लगातार चुनाव कैसे हारा जाता है' जोड़ना चाहिए और इस विषय पर क्लास लेने के लिए बघेल को मुख्य वक्ता बनाया जाए । राहुल गांधी आ रहे हैं तो उनका 99 चुनाव हारने का अनुभव भी साझा कर कार्यकताओं और नेताओं का ज्ञानवर्धन करना चाहिए। बघेल अपने इस अनूठे 'अनुभव और हुनर' से कांग्रेस कार्यकताओं को भली-भाँति अवगत करा सकते हैं कि मेहनत करके भी जीत को हार में कैसे बदला जाता है?

बांस-बल्लियों के सहारे जल रही रोशनी, चार माह से सड़क किनारे पड़े हैं बिजली के पोल

मीरजापुर : एक ओर सरकार हर घर तक बिजली पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं हलिया विकासखंड के सिकटा गांव की कई बस्तियां आज भी सुरक्षित विद्युत आपूर्ति से वंचित हैं। हालात ऐसे हैं कि दर्जनों परिवार बांस-बल्लियों के सहारे बिजली के तार खींचकर रोशनी करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सौभाग्य योजना के तहत चार माह पहले सड़क किनारे बिजली के पोल गिरा दिए गए, लेकिन आज तक उन्हें लगाया नहीं गया। हलिया के विद्युत उपकेंद्र बरी से जुड़े अदवा फीडर के अंतर्गत सिकटा गांव की कहार, ब्राह्मण और आदिवासी बस्तियों में दर्जनों परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बस्ती तक बिजली पहुंचाने के लिए मात्र चार पोल लगाने की आवश्यकता है। मुख्य लाइन के पास पोल खड़े कर दिए जाएं तो सभी परिवारों को नियमित और सुरक्षित बिजली मिल सकती है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्युतीकरण के वर्षों बाद भी बस्ती के कई परिवार अंधेरे में जीवन बिताने को विवश हैं। कुछ लोगों ने करीब 500 मीटर लंबी केबल बांस-बल्लियों के सहारे खींच रखी है, जिससे घरों में बल्ब जल रहे हैं। यह व्यवस्था कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। बस्ती निवासी बद्री नारायण तिवारी, आल्हा कहार, आदित, चेंदुल, माहुर, लवकुश, लल्लू कहार, लल्लन तिवारी और संजय कोल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि तार टूटने या शॉर्ट सर्किट होने की स्थिति में जान-माल का गंभीर खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि लगभग दस वर्ष पूर्व गांव निवासी अरुण उर्फ पप्पू शुक्ल की आंधी के दौरान टूटे विद्युत तार की चपेट में आने से मौत भी हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में मानसून 10 दिन लेट, जून में 39% कम बारिश, किसानों की बढ़ी चिंता

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। सामान्यतः 15-16 जून तक प्रदेश में दस्तक देने वाला मानसून इस बार करीब 10 दिन की देरी से 25 जून के आसपास पहुंचने की संभावना है। मानसून की इस लेटलतीफी का सीधा असर खेती-किसानी पर पड़ रहा है। जून माह में अब तक प्रदेश में सामान्य से 39 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के 39 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, 1 जून से अब तक प्रदेश में औसत से 39 फीसदी कम वर्षा हुई है। सबसे ज्यादा असर पूर्वी मध्य प्रदेश में देखने को मिल रहा है, जहां बारिश की कमी के कारण खेतों में नमी नहीं बन पा रही है। इससे खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो रही हैं। कम बारिश के चलते सोयाबीन, उड़द, मूंग और तुअर जैसी खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो रही है। शाजापुर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. धाकड़ ने किसानों को सलाह दी है कि पर्याप्त वर्षा होने तक बुवाई न करें। उन्होंने बताया कि फसलों की सफल बुवाई के लिए खेत में पर्याप्त नमी जरूरी है, जिसके लिए कम से कम 100 मिमी (4 इंच) बारिश आवश्यक है। जिन क्षेत्रों में किसानों ने जल्दबाजी में सोयाबीन की बुवाई कर दी है, वहां बीज खराब होने और दोबारा बुवाई की नौबत आने का खतरा है।

39 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के मुताबिक प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में सक्रिय साइक्लोनिक सकुर्लेशन और तीन ट्रफ लाइनों के प्रभाव से आंधी-बारिश का दौर बना हुआ है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, नीमच, मंदसौर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, गुना, शिवपुरी, दतिया, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, डिंडोरी, पांढुर्णा, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी समेत 39 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है।

इन जिलों में बनी रहेगी गर्मी

वहीं सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में उमस और गर्मी का असर बना रह सकता है।

मानसून की देरी से कृषि अर्थव्यवस्था पर असर

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगले एक सप्ताह में अच्छी बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा प्रभावित हो सकता है। इससे उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ने की आशंका है। किसान फिलहाल आसमान की ओर टकटकी लगाए मानसून का इंतजार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

उत्तर बंगाल में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, दुधिया का अस्थायी पुल बहा

सिलीगुड़ी : उत्तर बंगाल के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में गुरुवार रात हुई मूसलाधार बारिश ने व्यापक नुकसान पहुंचाया है। भारी वर्षा के कारण बालासन नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिससे दुधिया क्षेत्र में बना अस्थायी ह्यूम पाइप पुल क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते सिलीगुड़ी और मिरिक के बीच सीधा सड़क संपर्क फिलहाल बंद कर दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, लगभग ढाई घंटे की बारिश में मिरिक में 63 मिमी और कर्सियांग में 113 मिमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं सिलीगुड़ी में इसी अवधि के दौरान 246 मिमी बारिश हुई, जिससे महानंदा नदी सहित कई नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर के करीब पहुंच गया। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि नदी के बहाव में कमी आने के बाद दुधिया डायवर्जन मार्ग की मरम्मत का कार्य शुरू किया जाएगा। तब तक मिरिक और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को सिलीगुड़ी आने-जाने के लिए घुमावदार मार्ग से होकर गुजरना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी भारी बारिश और भूस्खलन के कारण दुधिया का पुराना पुल बह गया था। इसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अस्थायी ह्यूम पाइप पुल का निर्माण कराया था, जबकि एक स्थायी पुल का निर्माण कार्य अभी जारी है और उसके अगले वर्ष तक पूरा होने की संभावना है। प्रशासन ने लोगों को नदी किनारे और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है।

ज्ञान, विवेक और दूरदर्शिता जैसे गुण जीवन में सफलता का आधार होते हैं: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ज्ञान, विवेक और दूरदर्शिता जैसे गुण जीवन में सफलता का आधार होते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि इन गुणों से संपन्न व्यक्ति कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना करने और अंततः विजयी होने में सक्षम होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर संस्कृत सुभाषित साझा किया, शास्त्रे प्रतिष्ठा सहजश्च बोधः प्रागल्भ्यमभ्यस्तगुणा च वाणी। कालानुरोधः प्रतिभानवत्त्वमेते गुणाः कामदुघाः क्रियासु॥ इस सुभाषित का अर्थ है कि किसी विषय का प्रामाणिक ज्ञान, स्वाभाविक विवेक, निर्भय आत्म-विश्वास, अभ्यास से निखरी हुई प्रभावशाली वाणी, समय की मांग को पहचानने की दूरदर्शिता और निरंतर नई सूझ-बूझ ये छह गुण मनुष्य के हर कार्य में 'कामधेनु' के समान सिद्ध होते हैं, जो प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होते हैं।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स में 711 अंकों की गिरावट

नई दिल्ली : हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरूआत बेहद खराब रही है। भारी बिकवाली देखने को मिली, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम हो गए। इस वजह से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 710.77 अंक यानी 0.92 फीसदी की गिरावट के साथ 76,699.20 के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 194.20 अंक यानी 0.80 फीसदी फिसलकर 23,973.80 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा करीब 6 फीसदी तक की गिरावट है। इंफोसिस के शेयर में 8 फीसदी, टीसीएस 6 फीसदी, टेक महिंद्रा 6 फीसदी और एचसीएल टेक शेयर में 5 फीसदी तक गिरावट है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया शुरूआती कारोबार में 10 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.30 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि गरुवार को शेयर बाजार में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 254.36 अंक यानी 0.33 फीसदी की उछाल के साथ 77,409.98 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी 82.30 अंक यानी 0.34 फीसदी चढ़कर 24,168 के स्तर पर बंद था।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, एक घायल

हजारीबाग : जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एनएच-19 पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना सियरकोनी स्थित सीएम होटल के पास हुई। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाइक से चौपारण की ओर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात ऑटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एक युवक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग भेजा। घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतक और घायल युवक की पहचान की प्रक्रिया जारी है। हादसे के बाद ऑटो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

ट्रेचिंग ग्राउंड की सुलगती आग से बढ़ी परेशानी, धुएं से प्रभावित हो रहा जनजीवन

धमतरी : धमतरी शहर के सोरिद वार्ड स्थित बागतराई रोड के ट्रेचिंग ग्राउंड में 24 मई से लगी आग पूरी तरह नहीं बुझ पाई है। कचरे के विशाल ढेर के भीतर अब भी आग सुलग रही है, जिससे लगातार जहरीला धुआं निकल रहा है। धुएं का असर आसपास के रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहा है और लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। दिन-रात उठने वाले धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और घुटन जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेचिंग ग्राउंड में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक, पालीथिन, गीले-सूखे कचरे और अन्य अपशिष्ट पदार्थों का ढेर जमा है। अंदर ही अंदर सुलगती आग के कारण धुआं लगातार फैल रहा है। हवा चलने पर इसका प्रभाव दो किलोमीटर तक महसूस किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह और रात के समय स्थिति सबसे अधिक खराब हो जाती है। जानकारी के अनुसार 24-25 मई को ट्रेचिंग ग्राउंड में आगजनी की घटना हुई थी। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। आग की ऊंची लपटें देखकर लोगों ने तत्काल नगर निगम और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद दमकल कर्मियों ने घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया था। हालांकि आग की बाहरी लपटें शांत हो गईं, लेकिन कचरे के भीतर अब भी आग सुलग रही है। निगम प्रशासन का कहना है कि आग को बुझाने का प्रयास किया गया था, लेकिन अंदर जमा कचरे में धधक रही आग पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। ट्रेचिंग ग्राउंड में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन संसाधनों की कमी भी चिंता का विषय बनी हुई है। सोरिद वार्ड के निवासियों ने ट्रेचिंग ग्राउंड से निकल रहे धुएं को लेकर नाराजगी जताई है। वार्ड निवासी सुनील जानसन सुरेंद्र सिन्हा, विकास सोनवानी, स्वप्निल सोनवानी, अवधेश ठाकुर, किशुन रजक, टोकेश देवांगन, देव कुमार, देवेश सोनी, सागर सोनी, मिथलेश सिन्हा, राजू खान बलराम रजक, शेष नारायण सिन्हा, विपिन पांडे, सुमन पांडे सहित अन्य ने बताया कि कूलर या पंखा चलाते ही धुआं तेजी से घरों के भीतर पहुंच जाता है। परिवार के लोगों को दिन-रात परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निगम प्रशासन तत्काल स्थायी समाधान करे। लगातार उठ रहे धुएं से लोगों की सेहत प्रभावित हो रही है। बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में अधिक परेशानी हो रही है। कालोनी के रहवासी अमित बागमारिया, राकेश ग्वाल, नरेंद्र गजेंद्र ने बताया कि सुबह और देर रात धुएं का असर सबसे ज्यादा महसूस होता है। कई लोगों को आंखों में जलन और सिरदर्द की शिकायत हो रही है। कचरा डंपिंग स्थल में लगातार निगरानी जरूरी है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। इस संबंध में सोरिद वार्ड की पार्षद व नगर निगम की सभापति कौशिल्या देवांगन ने कहा कि नगर निगम द्वारा कचरा संग्रहण केंद्र की आग को बुझाया गया है। नया कचरा नहीं फेंका जा रहा है। आग बुझ चुकी है। नगर निगम के महापौर रामू रोहरा ने कहा कि वार्डवासियों से मिली शिकायत के बाद कचरा संग्रहण केंद्र में लगी आग को बुझाया गया है। अंदर लगी आग से सुलग रही है जिसे बुझाने का प्रयास जारी है। कचरा डंप सेंटर में नए सिरे से नया कचरा नहीं फेंका जा रहा है।

सब्जी मार्केट क्षेत्र में भीषण आग लाखों की संपत्ति जलकर राख

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर के व्यस्त सब्जी मार्केट क्षेत्र में शुक्रवार सुबह भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई।आग लादीगढ़ कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित एक मकान में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। घटना में लाखों रुपये मूल्य की संपत्ति जलकर नष्ट होने की आशंका जताई जा रही है।

आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया।हालांकि ल आग की तीव्रता अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना के कारण पूरे इलाके में कुछ समय के लिए दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास के अन्य भवनों तक फैलने से रोक लिया गया।फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हैं। नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

उपायुक्त ने की योजनाओं की समीक्षा

मेट्रोरज संवाददाता

मेदिनीनगर : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने गुरुवार को समाहरणालय सभागार में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में स्वयं सहायता समूहों के गठन, वित्तीय समावेशन, कृषि एवं पशुपालन आधारित आजीविका, गैर-कृषि उद्यम, सामाजिक समावेशन तथा बीमा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस दौरान उपायुक्त ने स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं महिलाओं के जुड़ाव के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं आय वृद्धि के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए आजीविका आधारित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

वित्तीय समावेशन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त श्री शेखावत ने सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों का बैंक लिंकेज सुनिश्चित करने तथा मुद्रा ऋण, बीमा योजनाओं एवं अन्य वित्तीय सुविधाओं से अधिकाधिक लाभुकों को जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने बीमा दावों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने की बात कही।

बैठक में कृषि, पशुपालन, किसान उत्पादक संगठनों, एकीकृत कृषि क्लस्टर, महिला उद्यमिता, स्वरोजगार तथा सामाजिक समावेशन से संबंधित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने तथा लाभुकों तक योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि खरछ्दर की योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने पदाधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग एवं साप्ताहिक समीक्षा के माध्यम से योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जेएसएलपीएस के विभिन्न बीपीएम उपस्थित रहे।

पहला वेस्ट सिंहभूम जिला योगासना स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का सफल आयोजन

संवाददाता

चक्रधरपुर के मधुसूदन पब्लिक स्कूल के हॉल में सफलतापूर्वक किया गया जिसमें उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान अंबुज मुथल उड 60 बटालियन सीआरपीएफ के रूप में मौजूद थे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सूर्या नर्सिंग होम के निर्देशक गौरी शंकर महतो, वेस्ट सिंहभूम जिला योगासना स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संरक्षक विनोद भगोरिया, मधुसूदन पब्लिक स्कूल के निदेशक बलराज हिंदवार ,मां अमिया देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के निदेशक प्रवीण प्रमाणिक मौजूद थे वही प्रतियोगिता का संचालन संघ के सचिव दीपक पासवान ने किया प्रतियोगिता के दौरान मंच संचालन किया। प्रतियोगिता कई आयु वर्गों में आयोजित की गई थी जिसमें सफल प्रतिभागियों को संघ के अध्यक्ष विनोद भगोरिया एवं संघ के कोषाध्यक्ष सौरभ भगत प्रवीण प्रमाणिक शाह कोषाध्यक्ष लक्ष्मकेश्वर शर्मा शर्मा के द्वारा पुरस्कार दिया गया विनोद भगरिया के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि विजय खिलाड़ी आगामी 26 जून से 28 जून तक लातेहार जिले के नेतरहाट में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए टीम की घोषणा की वह उन्हें अच्छे मेहनत और लगन से तैयारी करने के लिए कहा इस प्रतियोगिता को सफल संचालन करने के लिए निर्णायक मंडली में हिमानी लकड़ा ,मधु कुमारी पासवान रवि नंदन ठाकुर,पूजा कुमारी नायक राहुल साहू ,प्रदीप कुंभकार, उत्तम साहू लक्ष्मकेश्वर शर्मा आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दुमका में बाल मजदूरी के खिलाफ अभियान, तीन बाल श्रमिकों का रेस्क्यू, दुकानदारों को निर्देश

संवाददाता

दुमका : बाल मजदूरी के विरोध में श्रम अधीक्षक ने बासुकीनाथ में अभियान चलाकर तीन बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किया। इसके साथ ही बासुकीनाथ स्थित सभी दुकानदारों, धर्मशाला संचालकों, होटल संचालकों को बाल मजदूरी न कराने का निर्देश दिया। श्रम अधीक्षक ने कहा कि बाल मजदूरी करते हुए पकड़े जाने पर कारावास के साथ-साथ जुमार्ने का भी कानूनन प्रावधान है। कानून को हाथ में ना लें। बच्चों की जगह स्कूल में है, उसे स्कूल जाने दें।

श्रम विभाग की ओर से बाल बजदूरी रोकथाम को लेकर श्रम विभाग ने बासुकीनाथ के होटलों, नाश्ता दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत बाल मजदूरों का रेस्क्यू किया। इस पूरी कार्रवाई में धावादल का नेतृत्व कर रहे दुमका के श्रम अधीक्षक सूरज कुमार हांसदा ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रतिष्ठान में बाल श्रमिक पाया जाता है तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बासुकीनाथ मेला क्षेत्र से रेस्क्यू

श्रम अधीक्षक सूरज कुमार ने बताया कि बासुकीनाथ मेला क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुछ बच्चों का रेस्क्यू किया गया है, जो 14 वर्ष के कम आयु वर्ग के हैं। उन्होंने बताया कि बाल मजदूरी कर रहे बच्चों का स्थान स्कूल है और बच्चों को शिक्षा से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर कोई भी बच्चों से बाल मजदूरी कराते हैं तो इसे गंभीर अपराध माना जाएगा और इसमें 20 हजार से 50 हजार रुपए तक जुमार्ना और छह माह की सजा भी हो सकती है।

इसके अलावा श्रम अधीक्षक ने कहा कि अगर दोबारा किसी ढाबा या होटलों से बच्चे पकड़े जाते हैं तो नियम के तहत अधिक सजा का प्रावधान है। उन्होंने लोगों से कहा कि बच्चों को विद्यालय से जोड़कर सामाजिक दायित्व का निर्माण करें। श्रम अधीक्षक सूरज कुमार हांसदा ने कहा कि इस तरह का जांच अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि बाल मजदूरी को रोका जा सके।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

यश भारद्वाज के 19 वें जन्मदिन के वर्षगांठ पर डैडी- माँ, मम्मी -पापा, नाना- नानी, मीना बुआ, बीना बुआ, हर्ष भईया, जया दीदी, टोनी दीदी, प्रकाश मामा, नीलू मौसी, पम्पी मौसी - मौसाजी एवं समस्त परिजनों की ओर से हार्दिक शुभकामना, बधाई और आशीर्वाद

मिश्रा निवास
चक्रधरपुर

यही दुआएँ हैं तेरे जन्मदिन पर
तुम मुस्कुराते रहो यूँ ही जीवन भर

धनबाद मेयर समर्थक पर हमले के बाद सिंह मेंशन का पलटवार, कहा

खत्म होगा अराजकता, जनता कर रही इंतजार

संवाददाता

धनबाद : जिले के बरोरा थाना क्षेत्र के जमुआटांड़ में मेयर संजीव सिंह के समर्थक सुमन सिन्हा पर कथित हमले के बाद बाघमारा का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। घटना के बाद मेयर परिवार की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। मेयर के छोटे भाई सिद्धार्थ गौतम ने पीड़ित से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

बाइक सवार नकाबपोश लोगों ने किया हमला

बताया जा रहा है कि बुधवार को मेयर संजीव सिंह बाघमारा के माटीगढ़ में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में सुमन सिन्हा भी मौजूद थे। आरोप है कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब सुमन सिन्हा अपने दो साथियों के साथ कार से धनबाद लौट रहे थे, तभी जमुआटांड़ के पास बाइक सवार कुछ नकाबपोश लोगों ने उनकी गाड़ी को निशाना बनाया। घटना के दौरान सुमन सिन्हा ने वाहन की रफ्तार बढ़ाकर किसी तरह खुद को सुरक्षित निकाला और बाद में बरोरा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सिंह मेंशन के बढ़ते जनसमर्थन से घबरा रहे हैं कुछ लोग

घटना की जानकारी मिलने के बाद सिद्धार्थ गौतम पीड़ित से मिलने पहुंचे। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि बाघमारा में विरोध की आवाज को दबाने और लोगों में भय का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। उनका आरोप था कि सिंह मेंशन के बढ़ते जनसमर्थन से घबराए लोग इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर राजनीतिक माहौल प्रभावित करना चाहते हैं।

पुलिस करे निष्पक्ष जांचः सिद्धार्थ गौतम

सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि क्षेत्र में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है और पुलिस प्रशासन को निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कानून के दायरे में लाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बाघमारा की जनता आने वाले समय में लोकतांत्रिक तरीके से पिछले 15 सालों की राजनीति का जवाब देगी।

वहीं, सुमन सिन्हा ने दावा किया है कि हमला सुनियोजित था और इसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना से वे भयभीत नहीं हैं और पहले की तरह लोगों के बीच सक्रिय रहेंगे।

इधर, बाघमारा के एसडीपीओ अजित कुमार विमल ने बताया कि मामला संज्ञान में है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और सभी संभावित पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस जांच जारी है। ऐसे में यह साफ होना बाकी है कि घटना केवल आपराधिक प्रकृति की थी या इसके पीछे कोई राजनीतिक उद्देश्य था। हालांकि इस मामले ने बाघमारा की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप और नई चचाओं को जरूर जन्म दे दिया है।

पलामू में हुई क्राइम मीटिंग में थाना प्रभारियों को सौंपी गई जमीन माफिया की सूची, एसपी ने दिया सभी को टास्क

संवाददाता

पलामू : जिले में तैयार भू-माफिया की सूची सभी थाना प्रभारियों को उपलब्ध करवा दी गई है। थाना प्रभारियों को भू-माफिया के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश जारी किया गया है। गुरुवार को पलामू एसपी कपिल चौधरी ने जिले के पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग की। क्राइम मीटिंग में कई बिंदुओं पर चर्चा की गई और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए गए। इधर, मुकदमों का बेहतर अनुसंधान करने वाले थाना प्रभारियों को रिवॉर्ड भी दिया गया जबकि अगले महीने के लिए सभी को टास्किंग दिया गया है। इसी बैठक में सभी थाना प्रभारियों को भू-माफिया से संबंधित सूची उपलब्ध करवाई गई है। मई महीने में पलामू में जितने मुकदमे रजिस्टर्ड हुए हैं, उससे ज्यादा पुलिस अधिकारियों ने मुकदमों का अनुसंधान पूरा किया है।

क्राइम मीटिंग में एसपी ने लंबित मुकदमों का अनुसंधान तेज करने और वारंट के निष्पादन करने का निर्देश दिया है। एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि क्राइम मीटिंग में लंबित प्रकरणों के अनुसंधान की समीक्षा की गई है, जो सालों से लंबी थे। समीक्षा क्रम में जिन थाना प्रभारियों ने बेहतर काम किया है, उन्हें रिवॉर्ड दिया गया है। क्राइम मीटिंग में मुख्य तौर पर पिछले 10 साल में अलग-अलग अपराध में शामिल आरोपियों के वेरिफिकेशन के साथ-साथ जेल से बाहर निकलने वाले अपराधियों पर निगरानी की समीक्षा की गई है। एसपी ने आगे बताया कि अलग-अलग कैटेगरी के भू-माफियाओं की सूची थाना प्रभारी को उपलब्ध कराई गई है। सभी को थाना बुलाकर सत्यापन किया जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।